(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

रविवार, 01 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 226 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/—रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड— SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड—133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ऐलेना का किरदार मेरे ...8

मारा गया आतंकी मसूद अजहर का रिश्तेदार, कई हमलों का था मास्टरमाइंड

जम्मू—कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलवामा में हुए एनकाउंटर में जैश—ए—मोहम्मद का एक टॉप कमांडर मारा गया है। बताया जा रहा है कि मारा गया कमांडर आतंकी मसूद अजहर का रिश्तेदार था। मारे गए आतंकी का नाम मोहम्मद इस्माल अल्वी लांबू अदनान है जो मसूद अजहर के परिवार से था। इस एनकाउंटर में दो आतंकी को ढेर किया गया है। दूसरे की पहचान की जा रही है। पुलिस ने कहा कि शनिवार सुबह नामीबिया और मारसर के एक वन क्षेत्र में मारे गए दो आतंकवादियों में से एक की पहचान जैश—ए—मुहम्मद के शीर्ष कमांडर लंबू के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलवामा हमले में शामिल प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश—ए—मोहम्मद (श्रमड) से जुड़े एक शीर्ष पाकिस्तानी आतंकवादी को जम्मू—कश्मीर के पुलवामा जिले में मार गिराया गया। अधिकारी ने कहा कि अबू सैफुल्ला, जिसे अदनान, इस्माइल और लंबू के नाम से भी जाना जाता है और 2017 से घाटी में सक्रिय था, पुलवामा जिले के त्राल के हंगलमर्ग में एक अन्य आतंकवादी के साथ मारा गया।

देश के अलग—अलग हिस्सों जारी रह सकती है बारिश, मौसम विभाग ने चेताया

देश के अलग—अलग हिस्सों में मध्यम से तेज बारिश के आसार हैं। ऐसे हिस्से भी है जहां लगातार बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में पिछले 2 दिनों से दबाव बना हुआ है जिसका नतीजा यह है कि बंगाल, झारखंड, बिहार, उड़ीसा और पूर्वी उत्तर प्रदेश में लगातार मध्यम से तेज गति की बारिश हो रही है। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा उड़ीसा में बारिश के कारण कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति है। मौसम विभाग की माने तो इन हिस्सों में बारिश के आसार लगातार जारी है। बिहार में लगातार हो रही बारिश से कई हिस्सों में बाढ़ का खतरा बन गया है। मौसम विभाग के अनुसार बिहार में फिलहाल बारिश जारी रह सकती है। नदियों में भी पानी का बहाव तेज हो गया है। झारखंड में भी लगातार रिमझिम बारिश हो रही है। अगस्त तक बारिश होने का अनुमान जताया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में बारिश संबंधी घटनाओं की वजह से 9 लोगों की मौत हो गई है और सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई और छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़े। इसमें कहा गया है कि

चित्रकूट, इटावा, एटा, औरैया, फिरोजाबाद, सोनभद्र, आगरा और ललितपुर जिलों में बारिश दर्ज की गई। विभाग ने बताया कि राज्य में अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस लखीमपुर खीरी में और न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस अलीगढ़ में दर्ज किया गया। राजस्थान में मौसम विभाग की ओर से रेड अलर्ट जारी किया गया है जबकि मध्यप्रदेश में भी बारिश लगातार हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को तापमान में वृद्धि हुई और न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक सुबह में हवा में नमी का स्तर बहुत अधिक 93 प्रतिशत रहा। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो सामान्य से तीन डिग्री कम था जबकि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत से दो डिग्री नीचे था। मौसम विभाग ने बताया कि शनिवार को न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक सुबह साढ़े आठ बजे तक शहर में औसतम 43.6 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शाम तक मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आस—पास रहने का अनुमान भी व्यक्त किया है। आईएमडी ने शुक्रवार को ऑरेंज अलर्ट जारी कर शनिवार को मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया था। साथ ही राष्ट्रीय राजधानी के निचले इलाकों में जलभराव की आशंका जताते हुए कई स्थानों पर भारी यातायात जाम की चेतावनी दी थी।

साहित्य प्रेमियों ने मुंशी प्रेमचंद का 141 वां जन्म दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया

हिंदी साहित्य के प्रख्यात लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती बड़े धूमधाम से साहित्य प्रेमियों ने बनाया मुंशी प्रेमचंद दो भाषाओं को जोड़कर रखने वाले साहित्यकार रहें हैं। प्रेमचंद साहित्य विधाओं में आधुनिकता और यथार्थ वाद का प्रवर्तन किया। मुंशी जी के साहित्य में भारतीय जीवन की नियति को निर्धारित करने वाले किसान वर्ग के सबसे बड़े पक्षकार प्रेमचंद एक ऐसा आईना हैं, जिसमें न सिर्फ हमारे समाज का अतीत और वर्तमान दिखता है। बल्कि भविष्य के संकेत भी छिपे हैं। मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880

में वाराणसी से 4 मील दूर लमही गांव में हुआ था। मुंशी जी का जन्म दिवस लम्हे स्थित उनके आवास पर साहित्य प्रेमियों ने बड़े धूमधाम से मनाया लेकिन कार्यक्रम में जिला प्रशासन की भी मौजूदगी नहीं देखी एवं जिला नेताओं ने भी लमही से दूरी बना रखी है साहित्यकार का 141 वां जन्मदिवस बच्चों के साथ केक काटकर बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जन्म दिवस के कार्यक्रम में किसी भी प्रशासन अधिकारी एवं जिला नेता के ना होने पर साहित्य प्रेमियों में निराशा देखी गई। हिंदी साहित्य में प्रेमचंद्र जी ऐसे साहित्यकार रहे हैं। जिन्होंने साहित्य में रहस्य रोमांच और तिलिस्म को जगह नहीं दी बल्कि उन्होंने साहित्य में धनिया होरी सूरदास झुनिया जैसे पात्रों को साहित्य में जगह दी मौजूदा समय में राष्ट्रवाद की खूब चर्चा होती है मुंशी जी राष्ट्रवाद कोढ़ मानते थे।

मुंशी प्रेमचंद के जन्मदिन के उपलक्ष में हर साल लम्हे महोत्सव मनाया जाता है लमही महोत्सव 2021 की जिम्मेदारी इस बार पुरातत्व विभाग को दी गई है। क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी सुभाष यादव ने बताया कि लमही महोत्सव के सारे कार्यक्रम को फेसबुक पर लाइव चलाया जाएगा, महोत्सव के कार्यक्रमों को कई चरणों में बांटा गया है।

असम-मिजोरम सीमा विवादः राहुल बोले- दंगों को बीज की तरह बोने का परिणाम भयानक होगा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने असम और मिजोरम की सीमा पर पिछले दिनों हुई हिंसा को लेकर शनिवार को दावा किया कि विवादों और दंगों को इस पवित्र भूमि में बीज की तरह बोया जा रहा है जिसका परिणाम भयानक होगा। उन्होंने ट्वीट किया, श्शना राष्ट्रीय सीमा सुरक्षित, ना राज्य सीमा। विवादों व दंगों को हमारे देश की पवित्र भूमि में बीज की तरह बोया जा रहा है— इसका परिणाम भयानक है और होगा। बीते सोमवार को असम और मिजोरम पुलिस बलों के बीच खूनी संघर्ष हुआ था, जिसमें असम पुलिस के पांच कर्मी और एक निवासी की मौत हो गई थी जबकि 50 से अधिक अन्य घायल हो गए थे। मिजोरम पुलिस ने इस हिंसा के मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, राज्य पुलिस के चार वरिष्ठ अधिकारियों और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए हैं।

बाबुल सुप्रियो ने राजनीति से लिया संन्यास, कहा- मैं किसी और पार्टी में नहीं जा रहा

आसनसोल से दूसरी बार जीतकर संसद पहुंचे बाबुल सुप्रियो ने अब राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया है। मोदी सरकार—1 और 2 में अब तक वह मत्री थे। हाल में ही हुए कैबिनेट विस्तार में उन्हें मंत्रिपरिषद से बाहर कर दिया गया था। फिल्म संगीत में अपनी अलग पहचान बना चुके बाबुल सुप्रियो 2014 में आसनसोल से चुनाव जीतकर पहली बार लोकसभा पहुंचे थे। 2014 से 2016 तक वह शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री थे जबकि 2016 से 2019 तक उन्हें भारी उद्योग में राज्य मंत्री बनाया गया था। 2019 से 2021 तक वह पर्यावरण मंत्रालय में एमओएस रहे।

उत्तर प्रदेश में जारी हुआ परीक्षा परिणाम, 10वीं में 99.55% तो 12वीं में 97.88% छात्र हुए पास

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने आज 10वीं और 12वीं परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए है। जारी किए गए परीक्षा परिणामों के अनुसार दसवीं में 99.55: छात्र पास हुए हैं जबकि 12वीं में 97.88: छात्र पास हो सके हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के निदेशक विनायक कुमार ने बताया कि यूपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में कुल 29,96,031 परीक्षार्थियों में 29,82,055 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.52 और बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.55 है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक विनय कुमार ने यह भी बताया कि इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 26,10,247 परीक्षार्थियों में से 25,54,813 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए और उत्तीर्ण प्रतिशत 97.88 है।

इसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 97.47 और बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 98.40 है। आपको बता दें कि पिछले दिनों ही सीबीएसई ने 12वीं के परिणाम जारी किए थे जिसमें पहली बार सर्वाधिक 99.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। इस बार भी लड़कियों ने 0.54 प्रतिशत के मामूली अंतर से लड़कों को पछाड़ दिया। पिछले साल के 88.78 प्रतिशत के मुकाबले इस बार उत्तीर्ण होने के प्रतिशत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

बंगाल में बीजेपी को बड़ा झटका, मोदी कैबिनेट से हटाए जाने के बाद बाबुल सुप्रियो ने राजनीति से लिया संन्यास

नई दिल्ली। हाल ही में मोदी कैबिनेट से हटाए गए आसनसोल से बीजेपी के सांसद बाबुल सुप्रियो ने राजनीति और सांसद का पद छोड़ने का ऐलान किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा है कि वह सिर्फ बीजेपी को पसंद करते हैं और वह किसी और पार्टी में नहीं शामिल होने जा रहे हैं। पूर्व पर्यावरण राज्य मंत्री बाबुल सुप्रियो ने यह भी कहा है कि उनके इस फैसले का संबंध मंत्रिमंडल से हटाए जाने से है। पिछले दिनों जब उन्हें कैबिनेट से हटाया गया था तो उन्होंने ट्वीट करके कहा था कि वह अपने लिए दुखी हैं। राजनीति में आने से पहले गायक के रूप में फेमस बाबुल ने फेसबुक पर एक लंबा पोस्ट लिखते हुए कहा कि उन्होंने पिछले कुछ दिनों में अमित शाह और जेपी नड्डा को राजनीति छोड़ने के फैसले के बारे में बता दिया था। उन्होंने लिखा, श्श्मैं उनका आभारी हूं कि उन्होंने मुझे कई मायनों में प्रेरित किया है। मैं उनके प्यार को कभी नहीं भूलूंगा।श्श 2014 में बीजेपी में शामिल होने के बाद दो बार आसनसोल से सांसद बने बाबुल ने आगे लिखा, श्शसवाल उठेगा कि मैंने राजनीति क्यों छोड़ी? मंत्रालय के जाने से इनका कोई लेनादेना है क्या? हां वह है— कुछ लोगों के पास होना चाहिए! चिंता नहीं करना चाहते हैं तो अगर वह सवाल का जवाब देगी तो सही होगा— इससे मुझे भी शांति मिलेगी। बाबुल सुप्रियो ने कहा है कि 2014 और 2019 में काफी अंतर है। तब वह बीजेपी के टिकट पर अकेले थे, लेकिन आज बंगाल में बीजेपी मुख्य विपक्षी दल है। उन्होंने राज्य ईकाई से कुछ मतभेद की ओर भी इशारा किया है, लेकिन यह भी कहा है कि पार्टी यहां से एक लंबा सफर तय करेगी। बाबुल सुप्रियो ने लिखा, श्शचुनाव से पहले राज्य नेतृत्व के साथ कुछ मुद्दे थे— यह हो सकता है लेकिन उनमें से कुछ सार्वजनिक रूप से आ रहे थे।

पाकिस्तान को झटका देने की तैयारी में भारत, पीओके को लेकर इस रणनीति के तहत कर रहा काम

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हाल में ही चुनाव कराए गए जिसमें इमरान खान की पार्टी को बहुमत हासिल हुई। भले ही पाकिस्तान पीओके में चुनाव कराने में कामयाब हो गया लेकिन भारत की ओर से लगातार इस चुनाव को अस्वीकार किया जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में साफ तौर पर कहा कि पाकिस्तान का ''इन भारतीय भूभागों पर कोई अधिकार नहीं है'' और अपने अवैध कब्जे के सभी भारतीय क्षेत्रों को उसे खाली कर देना चाहिए। भारत ने कहा कि ''बनावटी प्रक्रिया'' कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान द्वारा ''अपने अवैध कब्जे को छिपाने'' का प्रयास है। साथ ही भारत ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की इस कवायद का स्थानीय लोगों ने भी विरोध किया है और उसे खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, ''इस तरह का कार्य ना तो पाकिस्तान द्वारा किये गये अवैध कब्जे के सच को छिप सकता है और ना ही इन अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में उसके द्वारा किये गये मानवाधिकारों के गंभीर हनन, शोषण और लोगों को स्वतंत्रता से वंचित करने के कृत्य पर पर्दा डाल सकता है।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि आखिर पाकिस्तान को पीओके में चुनाव कराने की जरूरत क्या पड़ गई? खबरों के मुताबिक इमरान खान के प्रधानमंत्री बनने के बाद से पीओके में पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ लगातार विरोध के स्वर उभर रहे थे। इन्हीं सबको निपटने के लिए पाकिस्तान की ओर से कोशिश भी की गई। खुद इमरान खान को कई बार स्थानीय लोगों का विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। इसको ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान सरकार की ओर से लगातार इस क्षेत्र के लिए कई ऐलान किए गए। यह क्षेत्र पाकिस्तानी सेना की ओर से जबरन भूमि कब्जे, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी से हमेशा त्रस्त रहा है। बिजली और पानी की व्यवस्था नहीं है। यही कारण है कि यहां लगातार पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध होते रहता है। पाकिस्तान भारत के हिस्से वाले कश्मीर में किए जा रहे कार्यों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। भारत द्वारा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कराना, कश्मीर से 370 को खत्म करना, साथ ही साथ जम्मू—कश्मीर का

पुनर्गठन करना पाकिस्तान को पच नहीं रहा है। ऐसे में पाकिस्तान को इस बात का भय रहता है कि कभी भारत की ओर से उसके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। भारत—पाकिस्तान सीमा पर लगे गांव में लगातार विकास की कोशिश कर रहा है। साथ ही साथ अपना इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित कर रहा है। लद्दाख में भी जिस तरह की इंफ्रास्ट्रक्चर को डिवेलप करने का काम भारत की ओर से किया जा रहा है उसके बाद चीन और पाकिस्तान ममें चिंता की लकीरें है। लेकिन भारत फिलहाल जम्मू कश्मीर को सर्वाधिक प्राथमिकता दे रहा है। पाकिस्तान को यह लग रहा है कि अगर भारत इस तरह से जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों को करता रहेगा तो वह पीओके में रहने वाले लोगों को अपनी तरफ खींचने में कामयाब हो सकता है जिससे की इमरान सरकार के खिलाफ वहां विरोध और बढ़ सकता है। यही कारण है कि पाकिस्तान पीओके पर अपनी हुकूमत को और मजबूत करने की कोशिश में लगा हुआ है। इसी वजह से वहां चुनाव कराने का निर्णय लिया। लेकिन भारत रणनीतिक तौर पर कश्मीर पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे को नाकाम करने की कोशिश कर रहा है। कश्मीर की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही साथ वहां शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त किया जा रहा है।

भारत ने पाकिस्तान—चीन के प्रेस बयान में कश्मीर के उल्लेख को खारिज कियाः भारत ने पाकिस्तान और चीन द्वारा हाल ही में एक संयुक्त प्रेस बयान में जम्मू—कश्मीर का उल्लेख किये जाने को बृहस्पतिवार को दृढ़ता से खारिज किया और कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के साथ—साथ लद्दाख उसका अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बयान में तथाकथित चीन—पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के उल्लेख पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि यह भारतीय क्षेत्र में है जिस पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। बागची ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''पहले की तरह, भारत जम्मू कश्मीर के किसी भी उल्लेख को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा।'' संयुक्त प्रेस बयान में सीपेक के उल्लेख पर प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने चीन और पाकिस्तान दोनों को लगातार बताया है कि तथाकथित सीपेक भारत के क्षेत्र में है। उन्होंने कहा, ''हम पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों में अन्य देशों द्वारा यथास्थिति को बदलने के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं और साथ ही पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों में किसी भी भौतिक परिवर्तन का भी विरोध करते हैं। हम संबंधित पक्षों से इस तरह की कार्रवाइयों को रोकने का आह्वान करते हैं।'' सीपेक चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा है। भारत बीआरआई का कड़ा विरोध करता रहा है क्योंकि 50 अरब अमरीकी डॉलर वाला यह गलियारा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है। चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में चीनी विदेश मंत्री वांग यी और उनके पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी के बीच बातचीत के बाद पिछले शनिवार को पाकिस्तान—चीन प्रेस बयान जारी किया गया था। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तानी पक्ष ने चीन को जम्मू—कश्मीर में 'बिगड़ती स्थिति' के बारे में जानकारी दी। पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का लगातार प्रयास कर रहा है। अगस्त 2019 में नयी दिल्ली द्वारा जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के निर्णय की घोषणा के बाद पड़ोसी देश ने भारत विरोधी अभियान चला रखा है। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में इस्लामाबाद के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है। भारत ने कहा है कि आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है।

करनी सेना की भूमिका राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित

नवाबगंज (गोंडा)। क्षत्रिय समाज के उत्थान एवं हिन्दुत्व की रक्षा हेतु करनी सेना की भूमिका राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है।करनी सेना क्षत्रियों के प्रति फैली भ्रांतियों और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सर्वसमाज को एकजुट करने के लिए महती भूमिका निभा रही है। उक्त विचार करनी सेना (भारत) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सनी सिंह ने यहां व्यक्त किए। श्री सिंह ग्राम इस्माइलपुर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। श्री सिंह ने विशेष मुलाकात में बताया कि उत्तर प्रदेश के सत्तर जिलों में नौ लाख से अधिक समर्पित क्षत्रियों का संगठन करनी सेना भारत माता की सेवा के लिए समर्पित है।सर्वसमाज के लिए न्याय एवं धर्म के रक्षार्थ संगठन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि मध्यकालीन युग से क्षत्रियों की छवि को जालिम तथा अराजक के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है। सदियों से देश के प्रति क्षत्रियों के बलिदान और राष्ट्र प्रेम को साजिशन भ्रामक श्री प्रचार का शिकार बनाया गया है। परन्तु अब करनी सेना के मंच पर संपूर्ण विश्व के क्षत्रियों को संगठित एवं एक जुट करने की कवायद तेज कर दी गई है। भगवान श्री राम जन्मभूमि निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने पर श्री सिंह ने भाजपा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि करनी सेना गैर राजनीतिक संगठन है,परन्तु राष्ट्र एवं हिन्दुत्व हित में किए गए कार्यों के लिए सेना मोदी और योगी सरकार के साथ है। उन्होंने प्रदेश में होने वाले 2022 के चुनाव में देश और हिन्दू हित के साथ खड़ी पार्टी को खुला समर्थन देने की बात कही। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सनी सिंह ने प्रदेश में बरोजगारी,स्वास्थ्य और शिक्षा पर योगी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास की सराहना की।सर्वसमाज के विकास एवं विश्वास के लिए सबको साथ लेकर चलने की केन्द्र सरकार के नीति को भी देश और समाज के हित में बताया। उन्होंने हिन्दू समाज को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठित होने से ही देश की सेवा और रक्षा की जा सकती है।

25000 का इनामिया वांछित बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

मवई–अयोध्या। रूदौली पुलिस व स्वाट टीम ने बीती देर रात तीन दिन पूर्व फरार हुआ पच्चीस हजार रुपए का इनामिया वांछित शातिर बदमाश की बनगावां गांव के निकट भेलसर शुजागंज मार्ग पर मुठभेड़ हुई।मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया और पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया।आरोपी के पास से पुलिस ने एक अवैध पिस्टल,कारतूस व चोरी हुए 3700 रुपये बरामद किए गए।आरोपी लखनऊ जनपद के काकोरी का रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक देर रात कोतवाली रूदौली पुलिस स्वाट टीम व फरार हुए पच्चीस हजार रुपये का इनामिया शातिर बदमाश की बनगांवा गांव के निकट भेलसर शुजागंज मार्ग पर मुठभेड़ हुई।मुठभेड़ के दौरान शातिर अपराधी इसरार अहमद को पैर में गोली लग गई जिसके चलते वह घायल होकर गिर गया। जिसको पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी रुदौली में भर्ती कराया और इसरार को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया।आरोपी इसरार के पास से एक अवैध पिस्टल 32 बोर,मय मैगजीन पांच अदद खोखा कारतूस 32 बोर व चोरी हुए 3700 रुपये बरामद किया गया।बरामद करने वाली पुलिस टीम में रूदौली कोतवाल विनोद बाबू मिश्रा,भेलसर चौकी प्रभारी सन्तोष उपाध्याय,उपनिरीक्षक रणजीत सिंह यादव,हेड कांस्टेबल अशोक यादव व का0 प्रवीण दीक्षित व स्वाट टीम प्रभारी रतन शर्मा,हेड कांस्टेबल अजय सिंह का,मुकेश यादव,प्रियेश तिवारी,विनय प्रकाश,अजीत गुप्ता,शिवम,लल्लू यादव,सौरभ सिंह व सुनील यादव मौजूद रहे। मालूम हो कि अभी तीन दिन पूर्व मवई पुलिस व स्वाट टीम की चेकिंग के दौरान शातिर बदमाशो से मुठभेड़ हुई थी जिसमे इसरार के चार साथियों को गिरफ्तार किया गया था और इसरार फरार होने में सफल रहा था।वही एसएसपी शैलेश पाण्डेय के बताया कि थानाध्यक्ष कोतवाली की पुलिस स्वाट टीम व एक 25000 का इनामिया आरोपी इसरार से मुठभेड़ हुई।इस मुठभेड़ में आत्मरक्षात कार्यवाही में इसरार के पैर में गोली लगी।इसरार 25000 का इनामिया भी है साथ ही साथ चोरी,नकबजनी आदि मामलों में वांछित चल रहा था।विगत दिनों एक पुलिस मुठभेड़ में इसके अन्य साथी गिरफ्तार हुए थे और ये फरार होने में सफल रहा था आज इसको भी पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है तथा इनके विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

मेड़बन्दी करने से मना करने पर दबंगों ने परिवार की पिटाई

करनैलगंज(गोंडा)। मेड़बन्दी करने से मना किया तो दबंगों ने एक परिवार की पिटाई कर दिया। कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम कुतुबपुर निवासी कृपाराम ने पुलिस अधीक्षक को ऑनलाइन प्रार्थना पत्र दिया है। जिसमे कहा गया है कि वह मजदूरी पेशा व्यक्ति है। उसने बटाई पर खेत ले रखा था। बुधवार की सुबह करीब 8 बजे गांव के ही कुछ दबंग किस्म के व्यक्ति उसके खेत में बढ़कर मेड़बन्दी करने लगे। मना करने पर तीनों लोग जाति सूचक शब्द का प्रयोग कर गाली देते हुये उसे मारने लगे। बचाने पहुंची उसकी गर्भवती पत्नी व मां की भी पिटाई कर दिया। इसी बीच वह मौका पाकर भाग निकला। जिस पर तीनों लोग फावड़ा लेकर दौड़ा लिये। अपनी जान बचाकर वह अपने घर के अंदर चला गया। जिस पर पीछा करते हुये तीनो लोग घर मे घुसकर की पिटाई करने लगे। हल्ला गुहार पर आस पास के लोग दौड़े जिन्हें आता देखकर तीनो लोग जान से मार डालने की धमकी देते हुए फरार हो गये। कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में नही है। फिर भी यदि ऐसा है तो जांच कराकर कार्रवाई की जायेगी।

माइनर की खुदाई होने के 14 साल बाद भी जमीन के मालिकानों को मुआवजा नहीं

करनैलगंज(गोंडा)। माइनर की खुदाई होने के 14 साल बाद भी जमीन के मालिकानों को मुआवजा नहीं मिला है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से की गई है। करनैलगंज के ग्राम कुम्हारगढ़ी निवासी लालता प्रसाद गोस्वामी व हीरा देवी ने मुख्यमंत्री को भेजे गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि बलमत्थर व पांडेचौराहा माइनर की खुदाई 2007–8 में नहर विभाग द्वारा की गई थी। मगर 14 वर्ष बीत जाने के बावजूद अब तक उनकी जमीन का मुआवजा सरयू नहर खंड प्रथम गोंडा द्वारा नहीं किया जा रहा है।

बाइक के आमने सामने से टक्कर एक कि मौत तीन घायल

करनैलगंज(गोंडा)। करनैलगंज–परसपुर मार्ग पर ग्राम शीशामऊ के पास दो बाइकों में हुई आमने सामने भिड़ंत में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं एक बाइक सवार की हुई मौत हो गई। देवकीनंदन पुत्र कृष्ण कुमार गुप्ता उम्र 20 वर्ष तो वही दिव्यांश पुत्र हनुमान प्रसाद उम्र 14 वर्ष अंशुमान पुत्र उपेंद्र कुमार उम्र 13 वर्ष निवासी शीशामऊ की एक बाइक सवार के आमने सामने टक्कर हो गई, जिसमे देवकीनंदन पुत्र कृष्ण कुमार की मौत हो गई। दूसरा बाइक सवार रविंद्र कुमार पुत्र राजेश कुमार उम्र 22 वर्ष निवासी अमदहा उमरी बेगमगंज गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को आसपास के लोगों ने सीएचसी करनैलगंज पहुंचाया। जहां अधीक्षक डॉ.सुरेश चंद्रा के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल गोंडा के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह तमाम पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे। कोतवाल ने बताया कि मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

ढ़ाई हजार शिकायतों के निस्तारण की चल रही प्रक्रिया

नवाबगंज (गोंडा)। उत्तर प्रदेश उपलोकायुक्त दिनेश कुमार सिंह आज थानाक्षेत्र ग्राम इस्माइलपुर में पहुंचे।श्री सिंह यहां आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने थे। उपलोकायुक्त श्री सिंह से हुई विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि प्रदेश में लोकायुक्त विभाग लगभग 44 वर्षों से भ्रष्टाचार विरोधी गैर राजनीतिक वैधानिक प्राधिकरण के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग ढ़ाई हजार शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया चल रही है। विभिन्न शिकायतों के निस्तारण के लिए विभागीय उच्च अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। विभिन्न जांच एजेंसियों पर लोकायुक्त की पैनी नजर रहती है। एक वर्ष से अधिक अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार विरोधी शिकायतों के कई महत्वपूर्ण निर्णयों की चर्चा करते हुए उपलोकायुक्त ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त समाज की संरचना में लोकायुक्त संगठन विशेष महत्व रखता है। श्री सिंह ने लोकायुक्त संगठन को भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि संगठन भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए महती भूमिका निभा रहा है।

चीनी मिल के सुरक्षा गार्ड की गिर कर हुई मौत

गोण्डा। बलराम पुर चीनी मिल में तैनात रहे 56 वर्षीय सुरक्षा कर्मी की गिर कर मौत हो गई। पुलिस ने उस के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। जिले के कौड़िया थाना क्षेत्र के खैरम ललवा पुर गांव के निवासी हवलदार सिंह पुत्र राम आधार सिंह बलराम पुर चीनी मिल में सुरक्षा गार्ड में तैनात थे। गिरने से मौत हो गई। मृतक के पुत्र रमेश सिंह ने बताया कि रात्रि में उस के पिता की डियूटी थी । रात्रि करीब एक बजे अचानक गिर पड़े। सर में चोट लग गई। इलाज के लिए उन्हें बलराम पुर अस्पताल लाया गया। हालत खराब होने पर गोण्डा जिला अस्पताल ला रहे थे। रास्ते मे मौत हो गई। नगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजा है।

विवि कर्मी सहित छात्र–छात्राएं मोबाइल नेटवर्क समस्या से परेशान

मिल्कीपुर–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज परिसर में लगे एयरटेल एवं बीएसएनएल कंपनी के तीन–तीन मोबाइल टावर सफेद हाथी बन कर रह गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में शोपीस बने मोबाइल टावरों की स्थिति बिल्कुल निष्क्रिय सी हो गई है। जिसके चलते विश्वविद्यालय कर्मियों सहित आसपास के लोगों को मोबाइल कॉल एवं इंटरनेट सेवा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यही नहीं विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को पठन पाठन एवं विश्वविद्यालय कर्मियों की सुविधा हेतु विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित कराए गए बीएसएनएल व एयरटेल कंपनी के टावर उपभोक्ताओं को दगा दे गए हैं जिसके चलते मोबाइल सेवा पूरी तरह से बाधित हो गई है। विश्वविद्यालय मैं अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की तो बात दूर विश्वविद्यालय कर्मियों को भी अब मोबाइल से कॉल करना बिल्कुल टेढ़ी खीर हो गया है। मोबाइल सेवा पूरी तरह से ठप हो जाने के बाद विश्वविद्यालय कर्मियों में गहरा असंतोष भी व्याप्त हो गया है विश्वविद्यालय कर्मियों सहित छात्र छात्राओं का आरोप है कि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति रहे प्रोफेसर जेएस संधू द्वारा समूचे विश्वविद्यालय को वाईफाई सुविधा से लैस किए जाने की योजना बनाई गई थी। किंतु उनके विश्वविद्यालय से जाने के बाद योजना धरातल पर नहीं उतर सकी आलम अब यह हो गया है कि विश्वविद्यालय में स्थित बीएसएनएल कंपनी का एक एवं एयरटेल कंपनी के दो मोबाइल टावर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। जिसका खामियाजा विश्वविद्यालय के उपभोक्ताओं एवं क्षेत्रीय लोगों को उठाना पड़ेगा।

सीडीओ ने की गोल्डेन कार्ड के प्रगति की समीक्षा

अयोध्या। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव ने विकास भवन सभागार में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 26 जुलाई से संचालित आयुष्मान कार्ड पखवाड़ा में बनाए जा रहे गोल्डेन कार्ड में प्रगति की समीक्षा की । इस अवसर पर नोडल अधिकारी डा0 दीपक पाण्डेय ने अवगत कराया कि आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी की अतिमहत्वाकांक्षी योजना है जिसमें सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना वर्ष 2011 के आच्छादित परिवारों को 5 लाख का निःशुल्क उपचार की व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत जनपद अयोध्या के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के चयनित परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाकर समस्त सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान की जा रही है। योजना के अन्तर्गत वर्तमान में जनपद के 15 सरकारी चिकित्सालयो एवं 12 निजी चिकित्सालयो में यह सुविधा प्रदान की जा रही है। इस योजना से जनपद मे अब तक 10332 लाभार्थियो की निःशुल्क की चिकित्सा सेवा उपलब्ध करायी जा चुकी है। जनपद में अब तक 247601 लाभर्थियो के गोल्डेन कार्ड बनाये जा चुके है एवं बाकी बचे हुए पात्र परिवारों ६ व्यक्तियों हेतु विशेष गोल्डेन कार्ड अभियान (आयुष्मान पखवाड़ा) 26 जुलाई से चलाकर गांव–गांव में चिन्हित लाभार्थियों के गोल्डेन कार्ड बनाये जा रहे है। जिसके अंतर्गत जिले के समस्त ब्लॉक में प्रतिदिन 5 कैंप और शहरी क्षेत्र में 3 कैंप का आयोजन किया जा रहा है। आयुष्मान पखवाड़ा के अंतर्गत 26 जुलाई से अब तक 4835 लाभार्थियों के गोल्डेन कार्ड बनाये जा चुके है इस अभियान में जनपद का मंडल में प्रथम स्थान है। समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनीता यादव ने 'कैम्प स्थल पर वी0एल0ई0 द्वारा कैंप न लगाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा दायित्वों का निर्वहन न करने वाले जिले के 03 जन सेवा केंद्र की आई0 डी0 (रमेश कुमार आईडी नंबर–बीएलएसवीएलईएवाईओ0363, दीपक गुप्ता आईडी नंबर–बीएलएसवीएलईवाईओ0812 तथा रमेशआईडी नंबर–वीएलईवीएमएवाईओ05168) को बंद करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये।' उन्होंने योजना के अंतर्गत आने वाले पात्र लक्षित परिवारों प्रेरित करते हुए कैंप में लाने तथा आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु आशा आरोग्य मित्रों आदि सहित संबंधित विभाग के कर्मियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया तथा जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग करने की अपील की है जिससे अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजना से लाभान्वित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कैंपों पर आने वाले व्यक्तियों को सुचारू रूप से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु कैम्प स्थल पर लाभार्थी द्वारा आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिवार पंजिका की नकल अथवा मा0 प्रधानमंत्री जी या मा0 मुख्यमंत्री जी का पत्र लेकर जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जन सेवा केन्द्र के वी०एल०ई० द्वारा कैम्प में लाभार्थी से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जायेगा।

सीबीआई की कीर्तिकुंज ज्वैलर्स पर छापेमारी

जौनपुर । सीबीआई ने कीर्तिकुंज ज्वैलर्स पर छापेमारी की। सीबीआई अधिकारी सुबह जब गेट पर पहुंचे तो काफी देर तक गेट नहीं खोला गया। जिससे अफसरों का पारा चढ़ गया। सीबीआई वालों ने जब मालिक के भतीजे को बुलाया तो उसके कहने पर किसी ने दरवाजा खोला। दरवाजा न खुलने से नाराज सीबीआई अधिकारी ने गेट खोलने वाले को तमाचा जड़ दिया। इसके बाद अधिकारी ज्वैलर्स की दुकान के अंदर और उससे जुड़े घर पर दस्तावेज खंगालते रहे। ज्ञात हो कि, सर्राफ के दामाद की आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई ने यह छापेमारी की है। सर्राफा कारोबारी नन्हे लाल वर्मा की दुकान और घर पर सुबह करीब 8 बजे सीबीआई ने छापामारी की। करीब डेढ़ घंटे तक चली छापेमारी के कारण शहर के व्यस्ततम चौराहे पर भीड़ इकट्ठा हो गई। सूत्रों के मुताबिक कीर्तिकुंज के प्रोपराइटर नन्हे लाल वर्मा के दामाद लखनऊ में आईईएस के रूप में तैनात हैं। उन पर आय से अधिक संपत्ति लेकर शक है। इसी को लेकर सीबीआई की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान सीबीआई की टीम ने परिवार के लोगों से भी पूछताछ की है। इसके बाद सीबीआई की टीम नन्हे लाल को गाड़ी में बैठाकर उनके दूसरे शोरूम की ओर निकल गयी। सूत्रों के अनुसार कीर्तिकुज के ज्वैलर्स ने भाजपा नेता और एक शराब कारोबारी के परिवार से सद्भावना रोड पर करोड़ों की संपत्ति खरीदी है। वहीं जीएसटी चोरी या नंबर–2 के माल के खरीद बिक्री आदि को लेकर भी जांच की जा रही है। इसके अलावा नन्हे लाल वर्मा ने बहुत ही कम समय में जौनपुर व अन्य जनपदों में करोड़ों की संपत्ति बना ली हैं। अब जांच के बाद ही मामले में स्थिति साफ हो सकेगी।

तीन सप्ताह पूर्व घर से लापता महिला व बेटी का सुराग नही

करनैलगंज(गोंडा)। तीन सप्ताह पूर्व घर से लापता महिला व उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा। महिला के पति ने पुलिस को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम कचनापुर गोकुल पुरवा निवासी ठाकुर प्रसाद ने कोतवाली में तहरीर दिया है। जिसमे कहा गया है कि बीते 10 जुलाई की सुबह 8 बजे वह चाय पीकर दूध बेचने करनैलगंज चला गया था। उसकी पत्नी सुनीता 42 अपनी 5 वर्षीय पुत्री पूनम के साथ घर पर थी। वापस लौटने पर उसकी पत्नी व पुत्री घर पर नही थी। उसने आस पड़ोस में पता किया उसके बाद नात रिस्तेदारी में पता करने लगा। तब से आज तक वह दोनो की खोजबीन करता रहा, मगर कहीं पता नही चला। उसने अपनी पत्नी व पुत्री को किसी व्यक्ति द्वारा पकड़ ले जाने की आशंका जताई है। कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में नही है। फिर भी यदि ऐसा है तो जांच करवाकर कार्रवाई की जायेगी।

अधिवक्ता व पत्रकार के भाई के निधन पर शोक की लहर

गोण्डा। हिंदुस्तान अखबार के वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप तिवारी के बड़े भाई अधिवक्ता ध्रुव चन्द्र तिवारी की अचानक मृत्यु हो जाने पर पत्रकार जगत और अधिवक्ताओ में शोक की लहर दौड़ गई। मनका पुर के बैरीपुर राम नाथ गांव के निवासी धुव्र चन्द्र तिवारी 50 वर्षीय सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट कोर्ट में पहुचे।मुकदमे की पैरवी के लिए दीवानी कचहरी गये हुए थे। अचानक तबियत खराब हो गई और वही पर गिरे पड़े। बेहोशी हालत में उन को जिला अस्पताल इलाज के लिए गए। डॉक्टरों ने देखने के बाद मृत्यु घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही पत्रकार जगत में शोक की लहर दौड़ गई। श्रमजीवी एशोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश नाथ वर्मा ने शोक व्यक्त किया। हिंदुस्तान के प्रभारी कमर अब्बास, पिंटू तिवारी प्रदीप मिश्रा, सच्चिदानंद शुक्ला , अभिषेक श्रीवास्तव, इरफान अंसारी, रमेश श्रीवास्तव, जसवंत,संजय तिवारी ,राकेश मिश्रा, नन्द लाल तिवारी, प्रमोद शर्मा, आर आर उस्मानी, ओम प्रकाश मिश्रा सहित आदि लोगो ने दुःख व्यक्त किया। करीब 20 वर्षो से कचहरी में पैक्टिस कर रहे थे। प्रति दिन बाइक से गोण्डा आते थे और जाते थे।

अवैध कटाई पर हुई कार्यवाई, लकड़ी सील,मुकदमा दर्ज

नवाबगंज गोंडा।कोल्हमपुर इमाम में अवैध रूप से काटे जा रहे आम के पेड़ों के विरुद्ध वनविभाग ने की बड़ी कार्यवाही मामला नवाबगंज के गांव कोल्हमपुर इमाम के दयालपुर का है जहां पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पीछे वन माफिया गुड्डू पांडे के द्वारा हरे आम के पेड़ की कटाई की जा रही थी जिसका परमिट भी वन माफिया द्वारा नहीं लिया गया था मुखबिर खास की सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी संतोष मिश्रा ने वन विभाग की टीम को मौके पर पहुचने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे वन दरोगा अरुण तिवारी और वन रक्षक आर.एस. सोनकर ने मौके पर पाया कि बड़े पैमाने पर हरे आम के पेड़ काटे गए हैं लेकिन मौके पर कोई नहीं मिला सिर्फ पेड़ कटे मिले। जिस पर गाँव में पता करने पर गुड्डू पांडे का नाम सामने आया। वन दरोगा अरुण तिवारी ने बताया कि वन क्षेत्राधिकारी संतोष मिश्रा के निर्देशानुसार मौके पर लकड़ी को सीज कर दिया गया है और वन माफिया गुड्डू पांडे के विरुद्ध वन संरक्षण अधिनियम की धारा 4ध10 के तहत अभियोग पंजीकृत कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सड़क क्षतिग्रस्त आवागमन में व्यवधान

बभनान गोंडा। कस्बे के निकट केमिकल फैक्ट्री के बगल बभनान से गौरा चौकी मार्ग को जोड़ने वाले सड़क क्षतिग्रस्त होने से आने जाने वाले राहगीरों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समाजसेवी आनंद कुमार ने उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर जर्जर सड़क के मरम्मत कराए जाने की मांग की है। सड़क पर जगह–जगह बने गड्ढे, व कीचड़ युक्त इस सड़क की हालत इस प्रकार हो गई है की बारिश के मौसम में राहगीरों को तमाम परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है आए दिन बरसात के मौसम में गिर कर कई लोग चोटिल होते हैं शिकायतों के बाद भी विभागीय अधिकारी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे है। इसी समस्या को लेकर समाजसेवी अन्नू मिश्रा ने जिलाधिकारी गोंडा, मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल ,अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को लोगों की समस्याओं को देखते हुए शिकायती पत्र के माध्यम से अवगत कराकर सड़क के निर्माण की मांग की है।

किसानों को वितरित की गई, उड़द और मूंग बीजों की किट

इटियाथोक,गोंडा। ब्लॉक मुख्यालय स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार पर . कृषि विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को विभिन्न प्रकार के बीजों के बारे में जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा आपूर्ति उन्नतशील एवं अधिक उपजदायी उर्द प्रजाति एवं मूंग प्रजाति के बीज की मिनी किट बांटी गई। वहीं, विधायक मेहनौन के भाई संजय दूबे ने भी किसानों को जागरूक किया।इस दौरान भाजपा से मनकापुर विधानसभा प्रभारी विद्याभूषण द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष सत्यव्रत ओझा, महामंत्री कपिलेश्वर शुक्ला मौजूद रहे।विकासखंड इटियाथोक क्षेत्र के 112 किसानों को उर्दू प्रजाति एवं मूंग प्रजाति के बीज की मिनी किट बांटी गई। इस मौके पर उपस्थित किसानों को राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी मजहर हुसैन व सहायक विकास अधिकारी कृषि जगदीश प्रसाद द्वारा किसानों से आह्वान किया गया, कि इन उन्नतशील बीज के मिनी किट की बुवाई वैज्ञानिक ढंग से की जाए। जिससे अधिक उपज व उन्नतशील प्रजातियों का प्रचार–प्रसार हो सके।

खाताधारक की भूमि पर जबरिया रैम्प का निर्माण कराया

करनैलगंज(गोंडा)। बैनामा ली गई भूमि पर सिंचाई विभाग ने बांध का निर्माण करा लिया उसके बाद अब खाताधारक की भूमि पर जबरिया रैम्प का निर्माण करा दिया। विकास खंड करनैलगंज अंतर्गत ग्राम काशीपुर निवासी रामभारत ने मुख्य अभियंता सरयू परियोजना फैजाबाद को पत्र भेजा है। जिसमे कहा गया है कि उसके साथ उसके भाई ने 48 डिसमिल भूमि बाढ़ कार्य खण्ड गोंडा से उसकी कीमत लेकर बैनामा कर दिया था। जिसमे बांध का निर्माण करवा दिया गया। उसके बाद सिंचाई विभाग के अवर अभियंता व अमीन बैनामे से बची हुई भूमि में रैंप का निर्माण कराने का प्रयास करने लगे। आरोप है कि बीते 1 जून को जिलाधिकारी गोंडा व 6 तथा 19 जून को सिंचाई विभाग बाढ़ कार्य खंड गोंडा के अधिशाषी अभियंता को पत्र देकर खाते की भूमि में रैम्प का निमार्ण कराने से रोंके जाने की मांग की थी। मगर कोई कार्यवाही नही हुई। बीते दिनों सिंचाई विभाग बाढ़ कार्य खंड गोंडा के अधिकारी व अमीन ने मिलकर रात्रि के समय चोरी से उसकी भूमि में रैंप का निर्माण करा दिया है।

टी सी के नाम पर घूस मांगने का वीडियो हो रहा , वायरल

गोण्डा। झझरी क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के टीसी देने के नाम पर सौ रुपये से लेकर दो सौ रुपये मांगने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ऊंचे झंझरी प्राथमिक विद्यालय में अपने बच्चों को पढ़ा रहे अभिवावक बच्चों की टीसी लेने के लिए गए थे। विद्यालय के प्रधानाध्यपक के द्वारा 100 रुपये और 200 रुपये घूस लेने को लेकर एक युवक के द्वारा पूछा जा रहा था। जिस को लेकर बहस हो रही है। उस वीडियो में चाय पानी का नाम लिया जा रहा है। युवक के द्वारा कहा जा रहा है कि चाय पानी के नाम पर ही घूस भारत मे मांगा जा रहा है। तभी गांव की एक महिला ने आरोप लगाया कि उस से 100 रुपया लिया गया है। वह गांव के एक ओम प्रकाश युवक से कर्ज लेकर आई , तब पैसा दिया है।

युवा पत्रकार प्रेस क्लब का प्रयास लाया रंग, योगी आदित्यनाथ ने दिया स्व0 अंकित श्रीवास्तव के परिजनों को 10 लाख का चेक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद के इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के जाने–माने पत्रकार स्वर्गीय अंकित श्रीवास्तव के कोरोना काल के दौरान निधन हो जाने पर जहां पूरा जनपद शोक संत्पत रहा। वहीं युवा पत्रकार प्रेस क्लब ने उनके परिजनों की सहायता के लिए सभी पत्रकारों के साथ मिलकर प्रयास किया। जनपद की अग्रणी पत्रकारों की संस्था युवा पत्रकार प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश शर्मा ,वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब अध्यक्ष रविंद्र त्रिपाठी ,वरिष्ठ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार अजय श्रीवास्तव आदि की अगुवाई में जनपद के सभी पत्रकारों ने एकजुट होकर 51000 की सहायता राशि के रूप में स्वर्गीय अंकित श्रीवास्तव के बच्चे के नाम से एफडी कराया गया। तो वही जनपद के पत्रकारों के

प्रयास पर विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ,मंत्री सतीश चन्द्र द्विवेदी , विधायक श्याम धनी राही ,जिला अधिकारी दीपक मीणा सहित कई अधिकारियों एंव जनप्रतिनिधियों से उनके परिजनों को सहायता दिलाई गई। युवा पत्रकार प्रेस क्लब संस्थान ने इस मुद्दे को सूचना विभाग लखनऊ में उठाकर मान्यता प्राप्त पत्रकारों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि के लिए पूरी मेहनत की थी जिसमें जनपद के जिला अधिकारी दीपक मीणा का बहुत बड़ा योगदान रहा जिसको लेकर शनिवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में स्वर्गीय अंकित श्रीवास्तव की धर्मपत्नी को 10लाख रुपए का चेक प्रदान कर उनके परिवार की आर्थिक सहायता की। आपको बता दें कि जनपद में यह पहला वकया नहीं है कि पत्रकारों ने एकजुट होकर अपने साथी की सहायता की हो इससे पहले भी वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय आलोक मिश्रा के असामयिक निधन पर सभी पत्रकारों ने मिलकर उनके परिवार की भी इसी प्रकार से सहायता की थी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा अंकित श्रीवास्तव के परिजनों को दी गई आर्थिक सहायता के लिए जनपद के सभी पत्रकारों ने एकजुट होकर उनका आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ पत्रकार एंव प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र नाथ त्रिपाठी ने योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार आज पत्रकारों के साथ हैं इसके लिए हम सभी पत्रकार उनका आभार व्यक्त करते हैं।

सांसद जगदम्बिका पाल ने टीकाकरण के दोनों डोज को लगवाने की अपील

कोविड केयर सेंटर तथा वैक्सीनेशन सेंटर का निरीक्षण किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल ने रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बर्डपुर पर बने कोविड केयर सेंटर तथा वैक्सीनेशन सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोरोना के बचाव को लेकर टीकाकरण कराने आए क्षेत्रवासी से उनका कुशलक्षेम जाना। निरीक्षण के

दौरान उन्होंने अस्पताल की साफ सफाई से लेकर दवाइयों की उपलब्धता एवं वितरण को लेकर भी जानकारी ली। साथ ही उन्होंने क्षेत्रवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में टीकाकरण के दोनों डोज को लगवाने की अपील किया। सांसद पाल ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के

उठाए उसी की देन है कि आज पूरी दुनिया की अपेक्षा भारत में कोरोना महामारी पर काफी हद तक नियंत्रण हो सका है। टीकाकरण को लेकर उन्होंने कहा कि आज पूरे जनपद में 25 हजार से अधिक लोगों को प्रतिदिन वैक्सीनशन का कार्य हो रहा है। वहीं बर्डपुर में भी प्रतिदिन 800 से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। जो अपने आप में एक ऐतिहासिक कदम है। मोदी–योगी सरकार के नेतृत्व में राष्ट्र प्रारम्भ में जिस प्रकार से देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक और ठोस कदम उठाए उसी की देन है कि आज पूरी दुनिया की अपेक्षा भारत में कोरोना महामारी पर काफी हद तक नियंत्रण हो सका है। टीकाकरण को लेकर उन्होंने कहा कि आज पूरे जनपद में 25 हजार से अधिक लोगों को प्रतिदिन वैक्सीनशन का कार्य हो रहा है। वहीं बर्डपुर में भी प्रतिदिन 800 से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। जो अपने आप में एक विकास के ऊंचाइयों को छू रहा है। इस दौरान उन्होंने वैक्सीनेशन को लेकर प्रेरित करने वाले सेल्फी पॉइन्ट पर अपनी फोटो भी खिंचाई और लोगों को प्रेरित किया। इस दौरान सीएमओ संदीप चौधरी, मण्डल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, राजकुमारी पाण्डेय, ओमप्रकाश यादव, अरविन्द उपाध्याय, अमित उपाध्याय, विवेक गोस्वामी, जहीर सिद्दीकी, संतोष उपाध्याय, डॉ0सुबोध चंद्रा, डॉ0महेश कुमार, सूरज चौहान आदि उपस्थित रहे।

किसान सम्मान निधि किसानों के लिए वरदान : जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी बर्डपुर मंडल के दूल्हा जनूबी तथा सेमरी में डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने किसान गोष्ठी के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को गिनाया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश में जब से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तबसे देश के किसानों की आय को दोगुना करने को लेकर निरंतर सैकड़ों परियोजनाओं के माध्यम से किसान हित के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों के हितों को लेकर के किसान सम्मान निधि ,फसल बीमा सहित कई योजनाओं को चलाया है। उन्होंने किसान सम्मान निधि को लेकर कहा कि नरेंद्र मोदी

● मोदी योगी के नेतृत्व में हो रहा चहुमुखी विकास

● भाजपा बर्डपुर मण्डल में आयोजित हुआ किसान गोष्ठी

सरकार देश के सभी किसानों को प्रति वर्ष 6000 सम्मान निधि के रूप में उनके खातों में पहुंचा रही है। जो योजना आज किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। मोदी सरकार ने उज्जवला योजना ,आयुष्मान भारत योजना, जनधन खाता योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना सहित कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के माध्यम से देश के किसान, बेरोजगार ,युवा को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है ।

वहीं महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त, भयमुक्त होने के साथ ही विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वहीं मिशन शक्ति के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर एक नया इतिहास रचा है । जिस योजना के माध्यम से महिलाओं के प्रति समाज पर एक अच्छा प्रभाव पड़ा है। गोष्ठी के पश्चात उन्होंने क्षेत्र में कूड़ा नदी में जलस्तर बढ़ने से हो रही कटान का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल ठोकर निर्माण के साथ ही अन्य ठोस कदम अपनाए जाने को लेकर निर्देशित किया ताकि कटान से गांव को तथा ग्रामीणों को सुरक्षित किया जा सके। वहीं उन्होंने कोरोना महामारी से बचाव को लेकर मोदी–योगी सरकार द्वारा उठाए गए ठोस कदम की सराहना भी की तथा उपस्थित जनमानस से टीकाकरण की अपील भी किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी ,वरिष्ठ भाजपा नेत्री राजकुमारी पाण्डेय, जिला महामंत्री कन्हैया पासवान, जिला पंचायत सदस्य सबलू साहनी, जिला कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल ,चंद्रभान पहलवान ,अमित उपाध्याय, रमेश यादव ,जेपी मौर्य, सुरेंद्र यादव, प्रदीप गोस्वामी, अर्जुन चौधरी, कैलाश यादव, करन पाण्डेय,मनोज चौबे, ओमकार पाण्डेय, सोनू यादव, सुरेंद्र मणि ,अम्बरीष जायसवाल, दिलीप पाण्डेय, विनोद जयसवाल, जहीर सिद्दीकी, आशीष शुक्ला, दीनदयाल चौधारी ,रामफल मौर्य, धनराज यादव, राजेश सिंह, राम अवध, सुनील मौर्या सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटवा मे शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने वृक्षारोपण किया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा/सिध्दार्थनगर। तहसील के अन्तर्गत इटवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इटवा विधायक व शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर इटवा

चिकित्सा अधिकारी डॉ वी के वैध, भाजपा जिलामहामंत्री कृष्ण कुमार मिश्रा, रामशब्द उपाध्याय, हरि यादव, अजय गुप्ता, राकेश विश्वकर्मा, विकास जायसवाल, आशीष श्रीवास्तव, सत्यम जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सीएमओ से मुलाकात, समस्याओं से कराया अवगत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को देर शाम सीएमओ से जिलाध्यक्ष एडविन लैम्बर्ट के अगुवाई में मुलाकात किये। जिलाध्यक्ष ने सीएमओ से सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया। और अपनी समस्याओं के बारे में भी अवगत कराया।

इस दौरान डीसीपीएम मानबहादुर, प्रमोद कुमार सन्त, उपाध्यक्ष अर्जुन कश्यप, महामंत्री संजू कुमार, जिला मंत्री शिवानी, संगठन मंत्री बलेश कुमार, मीडिया प्रभारी फातमा जेहरा, विजेंद्र आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय महामंत्री भाजयुमो बनने पर आशुतोष सिंह श्रीनेत ने दी बधाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोहास/सिद्धार्थनगर। पूर्व प्रदेश महामंत्री भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश वैभव सिंह को राष्ट्रीय महामंत्री भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश मनोनीत होने पर उचहरिया निवासी आशुतोष सिंह श्रीनेत "चंदन सिंह" प्रदेश संगठन महासचिव भारतीय बौद्ध संघ उत्तर प्रदेश ने एक दूसरे को मिठाई खिलाके खुशियाँ मनायी। तथा नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह को भारतीय बौद्ध संघ के संगठन महासचिव आशुतोष सिंह श्रीनेत ने बधाई दी है उपरोक्त अवसर पर विक्की सिंह, निहाल सिंह, वसी अंसारी, डाक्टर परम, बजरंगी गोस्वामी, धर्मबीर सिंह, सोनु यादव, वकिल अहमद, मंगल आदि लोग मौजुद रहे।

टाटा ट्रस्ट द्वारा चूहा नियंत्रण कार्यशाला का आयोजन किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड उसका बाजार के ग्राम पंचायत मरवटिया माफी में चल रहे संचारी माह के कार्यक्रम में टाटा ट्रस्ट द्वार चूहा नियंत्रण कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम

में उपस्थित इस मौके पर डिपिओ इंद्रजीत ने बताया कि दिमागी बुखार पर चर्चा करते हुए बताया कि दिमागी बुखार का एक मुख्य कारण कृंतक यानी चूहा और छछूंदर है इसलिए हमको खुद भी और इसके साथ अपने बच्चों को भी इनसे बचाना है। स्क्रब टायफस पर चर्चा करते हुए बताया कि चूहों के शरीर पर जो बाल होते हैं उनसे ये पिस्सू रहते हैं और जब ये हमारे पास से निकलते हैं तो हमें ये पिस्सू काट लेते है जिससे हमें दिमागी बुखार हो जाता है इसलिए हमे इन्हे अपने घरों में आने से रोकना होगा इसके लिए हमें घरों कि कहीं भी बिल हो तो उसको बंद करना होगा साथ ही अगर घर के आस पास कहीं भी झाड़ी है तो उसको भी कटवा देना है हमें अपने आस पास स्वच्छता बनाए रखना चाहिए अमित कुमार के द्वारा कार्यक्रम को इसी तरह कड़ी को आगे संबोधित करते हुए संचारी रोग के बारे में जानकारी दिया एवं चूहों से बचाव के साथ बारे में बताया इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान नीलाक्षी, बलराम पाल,अमित कुमार श्रीवास्तव ,मंडावी त्रिपाठी, बदामा देवी ,आशा सुनीता देवी आदि रही मौजूद।

16 बोरी उर्वरक के साथ तस्कर गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। 43 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी लोहटी के जवानों ने 16 बोरी उर्वरक की तस्करी करते हुए दो नेपाली तस्करो को पकड़ा। शनिवार को सीमा चौकी लोहटी के जवानों ने सीमा स्तम्भ संख्या 563(63) के पास भारत–नेपाल सीमा पर दो तस्कर को पकड़ा जिसका नाम राजेश कुमार आर्ख पुत्र राधेश्याम आर्ख गांव– कर्मा वार्ड नं 06 थाना कृष्णानगर जिला– कपिलवस्तु (नेपाल), राजकुमार भुज पुत्र शंकर भुज गांव धर्मनगर वार्ड नं 6 नगर पालिका थाना– चनरौटा जिला– कपिलवस्तु (नेपाल) को अवैध रूप से भारत से नेपाल छः साइकिलो द्वारा उर्वरक की तस्करी करते हुये गिरफ्तार किया। जब्त किए गए सामान के साथ तस्कर को कस्टम सीमा शुल्क कार्यालय बढ़नी जिला– सिद्धार्थनगर को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया गया। इस दौरान सीमा चौकी लोहटी की पैट्रोलिंग पार्टी मे स०उप निरीक्षक राजकुमार कुमार ग्वाला, मुख्य आरक्षी रमेश कुमार, आरक्षी – प्रशांत एस० शामिल रहे।

नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के सड़कों की दुर्दशा से लोग त्रस्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। योगी मोदी के शासनकाल में जहां उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे भारत की सड़कों का कायाकल्प हो रहा है वहीं उत्तर प्रदेश के जनपद सिद्धार्थनगर जिला मुख्यालय के नगर पालिका परिषद के अंतर्गत आने वाली सड़कों की स्थिति काफी खराब नजर आ रही है हर जगह पर टूटी हुई सड़कों से जहां आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं वहीं यह सोचने पर विवश हो रहा है कि क्या यह भाजपा की सरकार है या फिर वही पुरानी सरकार हैं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्याम बिहारी जयसवाल जहां केवल दिखावे के लिए ईट पत्थर सड़कों पर डालकर खानापूर्ति कर रहे हैं वही आने जाने वालों के साथ हो रहे दुर्घटनाओं पर उनका भी नजर नहीं पड़ रहा है

या कहे उसे नजरअंदाज कर रहे हैं जिला मुख्यालय के खजुरिया से लेकर थाने तक जाने वाली सड़क जहां तीन चार जगहों पर टूटी हुई है और आने जाने वालों की हालत खराब कर रही है तो वही अशोक मार्ग से जिला मुख्यालय की क्रॉसिंग गेट तक देखा जाए तो सड़क अपनी अंतिम स्थिति में पहुंच गई है आपको बता दें कि यह सड़कें पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जमील सिद्दीकी के शासनकाल में काफी अच्छी रही है और इन सड़कों की बदौलत ही जमील सिद्दीकी की अच्छी पैठ लोगों में बनी हुई है आज भी लोग जमील सिद्दीकी के समय को याद करते है नगरपालिका सिद्धार्थनगर का विस्तार बड़े पैमाने पर हुआ है वहीं जिला मुख्यालय की सड़के सही ना होने पर विस्तार वाले क्षेत्रों की सड़कों का क्या हाल होगा इसको लेकर बुद्धिजीवियों में काफी चर्चा बना हुआ है अब देखना है कि नगर पालिका अध्यक्ष श्याम बिहारी जयसवाल कब तक नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अंतर्गत आने वाली सड़कों को सही करवा पाते हैं या फिर पुनः चुनाव में मांग करेंगे,बनेगी नई सड़क।

ग्रामपंचायत परोई में हुवा आरओ के द्वारा कोटेदार की जांच

रवि शर्मा/दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। विकासखंड खेसरहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत परोई में कोटेदार की दबंगई के चलते काफी ज्यादा सुर्खियों में रहता है परोई का कोटा ज्यादातर ग्रामीणों को धमकाने या कोटा काम देने का आरोप लगता रहा है। ग्रामीणों के द्वारा शिकायत करने पर ग्रामपंचायत में हुवा आरओ का निरीक्षण। आरओ के द्वारा निरक्षण करने पर ग्रामीणों में बढ़ा उत्साह। जिसमें गांव के करीब 60–70 कार्ड धारक उपस्थित रहे। (जिसमें 30 से 35 अन्तोदय कार्ड धारक रहे। जिसमें अन्तोदय कार्ड धारक ने अपनी समस्या बोले की कोटेदार अपने मन से कभी 28 तो कभी 30 देता है। तथा महीने के दूसरी बार प्रत्येक राशन कार्ड के पीछे 1 से 2 काट लेता है जब हम लोग बोलते है की ऐसा क्यों कम दे रहे तो कोटेदार बोलता है कि हम सभी आधिकारी को कमीशन देना पढ़ता है। और पत्र गृहती के लोग ने भी अपनी समस्या में बोले कि सर 1 कार्ड पर 1से 2 ाह कम देता है तथा कोटेदार के खिलाफ बोलने पर कोटेदार रामनाथ बोलता है कि राशन कार्ड से नाम कटवा देगे ग्रामीणों की शिकायत है कि गांव के गरीब वर्ग के लोगो के पास नही है अंतोदय कार्ड पर कोटेदार रामनाथ के बेटे उमेश के नाम से बना है अंतोदय कार्ड आरओ का कहना है कि कोटेदार के द्वारा कटौती की जा रही है और इस पर कारवाही भी होगी। कोटेदारों की मनमानी कब तक चलेगा। इसके जिम्मेदार क्यों मौन है।

शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने दी कर्मचारी को विदाई, किया सम्मान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। शनिवार को जनता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज उदयराजगंज विद्यालय में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हरिद्वार प्रसाद मिश्र की सेवानिवृत्ति पर उन्हें अंग वस्त्र एवं मानस

पुस्तिका देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार गुप्ता ,वरिष्ठ शिक्षक शेष नारायण ओझा ,माध्यमिक शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी सदस्य दया शंकर यादव एवं राम बहादुर ने विधायक को शाल एवं माला पहनाकर उनके लगातार तीसरी बार विधायक बनने पर उन्हें सम्मानित किया गया। शिक्षक विधायक ने अपने संबोधन में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हरिद्वार प्रसाद मिश्र को उनके उज्जवल भविष्य की बधाई दी एवं उनके सेवा भाव की सराहना की। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रवण कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक पंकज कुमार चौधरी, संतोष कुमार मधुकर,श्रीमती सरिता मिश्रा, गोविंद नारायण चतुर्वेदी,सर्वेंद्र प्रताप सिंह, राजकुमार यादव,अंजू वर्मा ,दीपक गुप्ता,अजय कुमार सिंह ,रामजीत ,भगवती प्रसाद ,सरोज कसौधन,कनिष्ठ सहायक अशोक कुमार द्विवेदी एवं रामलोचन चौधरी आदि उपस्थित रहे।

प्रभारी निरीक्षक इटवा द्वारा की गयी बैंको की चेकिंग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा/सिध्दार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 यशवीर सिंह के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सुरेश चंद्र रावत के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी इटवा रमेश चंद पांण्डेय के कुशल निर्देशन में कार्य योजना 03 के तहत प्र0नि0 ज्ञानेंद्र कुमार राय थाना इटवा द्वारा भारतीय स्टेट बैंक चौखड़ा रगड़गंज के बैंक, बैंक आफ बड़ौदा शाखा कलेनिया को चेक किया गया तथा सम्बन्धित बैंक मैनेजर से वार्ता कर बिन्दुवार कमियों को पूर्ण कराने के लिये बताया गया।

सम्पादकीय

संघर्ष और संयम

इसके अलावा दोनों राज्यों के राजनीतिक नेतृत्व को भी संयम का परिचय देना चाहिए, अन्यथा इससे दोनों राज्यों के लोगों के बीच कटुता को बढ़ावा मिल सकता है, जिसे देश हित में कदापि नहीं कहा जा सकता। विवाद के समाधान के लिये देश में कानून व संविधान ...

यूं तो असम व मिजोरम के सीमा विवाद का पुराना इतिहास रहा है लेकिन बीते सोमवार को इस बाबत भड़की हिंसा में असम पुलिस के छह जवानों की मौत बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। जिसे टालने की प्रशासनिक व राजनीतिक पहल समय रहते की जाती तो इस हिंसा को टाला जा सकता था। वैसे तो बीते साल अक्तूबर में दोनों राज्यों की सीमाओं के बीच झड़पें हुई थीं और दोनों ने एक–दूसरे पर अपने क्षेत्र के अतिक्रमण के आरोप लगाये थे। विडंबना यह है कि शिलांग में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों से राज्यों के सीमा विवाद व अन्य मुद्दों पर चर्चा के दो दिन बाद यह घटना घटी। यह भी हकीकत है कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने समय रहते स्थिति को सही ढंग से नहीं संभाला और दोनों ट्विटर पर टकराव में उलझे रहे, जिससे जनाक्रोश में वृद्धि ही हुई। ऐसे में नहीं लगता कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री लंबे समय से लंबित सीमा विवाद को अपने बूते हल करने में सक्षम होंगे। ऐसे में केंद्र सरकार से सक्रिय भूमिका की अपेक्षा है। दरअसल, दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद की जड़ें औपनिवेशिक शासनकाल तक पहुंचती हैं। विवाद के मूल में वर्ष 1875 और 1933 में जारी दो ब्रिटिशकालीन अधिसूचनाएं हैं, जिनके आधार पर अलग–अलग तरीके से अंतर्राज्यीय सीमा का निर्धारण किया गया था। दोनों ही राज्य अपनी सुविधा के अनुसार अलग–अलग अधिसूचनाओं को सीमा निर्धारण का आधार बनाते हैं। सोमवार की घटना के बाद दोनों पक्षों को आपस में मिल–बैठकर स्वीकार्य समाधान की ओर बढना चाहिए। निस्संदेह विगत में पूर्वोत्तर सीमाओं के अतिक्रमण और अन्य राज्यों के नागरिकों के बाबत हिंसा व संघर्ष की चपेट में रहा है, जिसके चलते कानून–व्यवस्था का संकट गाहे–बगाहे पैदा होता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर दशकों तक उग्रवाद का शिकार रहा है। सोमवार जैसी घटनाएं उग्रवाद को पैर जमाने का मौका दे सकती हैं। वैसे भी देश के संवेदनशील सीमावर्ती राज्यों में यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी घातक हो सकती है। ऐसी हिंसा को रोकने के लिये केंद्रीय अर्धसैनिकों बलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। भविष्य में ऐसे टकराव को टालने के लिये इनकी तैनाती पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा राजग सरकार के एजेंडे में पूर्वोत्तर का विकास व शांति प्राथमिकताओं में शुमार रहा है। वह दावा करती रही है कि पूर्वोत्तर की प्रगति के लिये उसने बड़ी पहल की है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में उन्हें प्राथमिकता दी है। यह केंद्र सरकार के लिये भी परीक्षा की घड़ी है कि वह कितनी जल्दी व कुशलता से पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों के सीमा विवादों को हल कर पाती है। यह प्रधानमंत्री की विविधता वाले देश के लिये सुविचारित श्भारत जोड़ो आंदोलनत्र अभियान की भी परीक्षा है। फिलहाल यथास्थिति बनाये रखते हुए विवाद के सर्वमान्य हल की तलाश केंद्र सरकार की पहल से की जानी चाहिए जो देश के संघीय ढांचे को मजबूत करने के लिये भी अपरिहार्य शर्त है। कभी असम का हिस्सा रहे मिजोरम के राज्य बनने के तीन दशक बाद भी यदि सीमा विवाद के कारण दूर नहीं हो पाये हैं तो यह राजनीतिक व प्रशासनिक विफलता का ही परिचायक है। वैसे भी छोटे–मोटे विवाद देश के अन्य भागों में भी राज्यों के बीच होते रहते हैं, लेकिन राज्यों की पुलिस के बीच टकराव होने की स्थिति कतई नहीं बनने दी जा सकती। यह हमारी तमाम एजेंसियों की विफलता भी है कि सीमा पर जारी तनाव को वे समय रहते नहीं भांप पायी। इसके अलावा दोनों राज्यों के राजनीतिक नेतृत्व को भी संयम का परिचय देना चाहिए, अन्यथा इससे दोनों राज्यों के लोगों के बीच कटुता को बढ़ावा मिल सकता है, जिसे देश हित में कदापि नहीं कहा जा सकता।

असहमति की आवाज का सम्मान जरूरी

अनूप भटनागर

न्यायपालिका लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को राजद्रोह या आतंकवाद नहीं माना जा सकता है। न्यायपालिका लगातार इस बात की पक्षधर रही है कि असहमति की आवाज का सम्मान होना चाहिए। असहमति की आवाज दबाना उचित नहीं है क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह सेफ्टी वाल्व की तरह है। अब इस असहमति को भी परिभाषित करने और इसकी लक्ष्मण रेखा खींचने की आवश्यकता महसूस हो रही है। निःसंदेह, असहमति संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) में प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी को प्रतिबिंबित करती है। प्रत्येक नागरिक को बोलने की स्वतंत्रता प्रदान करने वाले अनुच्छेद 19 (1)(ए) और इस संबंध में अनेक न्यायिक व्यवस्थाओं में स्पष्ट किया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार निर्बाध नहीं है और आवश्यकता पडने पर नियंत्रित किया जा सकता है। कई बार इनका काफी विकृत रूप भी देखने को मिलता है। सरकार के किसी भी निर्णय पर असहमति व्यक्त करने के लिए शांतिपूर्ण तथा अहिंसक तरीके से धरना–प्रदर्शन और बंद का आयोजन किया जा सकता है लेकिन असहमति व्यक्त करने के इस सिलसिले में अगर हिंसा और तोडफोड़ होने लगे तो क्या होगा? सवाल उठता है कि क्या किसी मुद्दे पर असहमति व्यक्त करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में संचार टावर तोड़े जा सकते हैं या असहमति के स्वर को धारदार बनाने के लिए लालकिले की प्राचीर पर ध्वज फहराया जा सकता है या किसी राज्य का संपर्क पूरे देश से तोडने या हिंसा का मार्ग अपनाने के लिये आन्दोलनकारियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है? या सिंचाई की नहर क्षतिग्रस्त करने अथवा आंदोलनरत वर्ग द्वारा किसी भी सत्तारूढ़ दल के नेता को गांवों में आने पर देख लेने की धमकी दी जा सकती है? निश्चित ही ये गतिविधियां किसी भी तरह से श्असहमत्यि के दायरे में नहीं मानी जायेंगी। अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के इस्तेमाल के नाम पर कोई भी व्यक्ति या वर्ग या समूह किसी व्यक्ति या समुदाय के बारे में कटुता नहीं फैला सकता है। अभिव्यक्ति की आजादी का नतीजा सोशल मीडिया पर नजर आ रहा है जहां राजनीतिक दलों, नेताओं के साथ ही न्यायपालिका और इसके सदस्यों के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां हो रही हैं। यही वजह है कि न्यायपालिका भी महसूस करती है कि सोशल मीडिया पर इस तरह की अनर्गल और बेबुनियाद टिप्पणियां करने की गतिविधि पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। निःसंदेह विवादास्पद कृषि कानून, नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर जैसे कई मुद्दों पर किसान और समाज का एक वर्ग उत्तेजित है। साथ ही यह तथ्य भी सही है कि इन्हीं आन्दोलनों के दौरान कई स्थानों पर हिंसा भी हुई है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में पिछले साल फरवरी में हुई हिंसक घटनाएं किसी से छिपी नहीं हैं। कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग के साथ आंदोलन कर रहे किसानों के एक वर्ग ने हिंसा भी की। सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिये आरक्षण सहित ऐसे अनेक विषय हैं, जिन्हें लेकर विभिन्न संगठनों और समूहों ने आन्दोलन शुरू किया, लेकिन आगे चलकर इसका रूप बदल गया और इसमें हिंसा भी शामिल हो गयी।

भारतीय भाषाओं के मोर्चे पर सकारात्मक पहल

नयी शिक्षा नीति में भारतीयता की अवधारणा के साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा पर भी जोर दिया गया है। इस लिहाज से पाठ्यक्रम बनने शुरू हो गए हैं। देश के सबसे बड़ा खुला विश्वविद्यालय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ोदा ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। नयी शिक्षा नीति के हिसाब से पाठ्यक्रम बनाने, पढ़ाई करने आदि के लिए पिछले एक साल में जो प्रयास हुए हैं, वे मामूली ...

उमेश चतुर्वेदी

आज ही के दिन ठीक एक साल पहले 29 जुलाई, 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नयी शिक्षा नीति को मंजूरी दी थी। शिक्षा ऐसा विषय है, जिसमें रातोंरात परिवर्तन होना मुश्किल है। कहा जा सकता है कि बीते बारह महीनों में नयी शिक्षा नीति के हिसाब से कई परिवर्तनों की आधारशिला रखी गई है। उम्मीद है यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को हासिल करेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिद्दत से भारतीय भाषाओं की अहमियत को स्वीकार किया गया है और उसके हिसाब से बीते बारह महीनों में कई कदम उठाए गए हैं।

मैकाले की शिक्षा पद्धति लागू होने के बाद से शिक्षा में भारतीय भाषाएं लगातार या तो पिछड़ती चली गईं या फिर उन्हें दोयम दर्जे का माना जाने लगा। दुनियाभर के शिक्षा शास्त्रियों के मुताबिक बच्चा अपनी मातृभाषा में बेहतर सीख सकता है। 1991 की जनगणना के भाषा खंड की भूमिका में भी कहा गया, श्भाषा आत्मा का वह रक्त है, जिसमें विचार प्रवाहित होते और पनपते हैं।त्र इसके बावजूद भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाने की बात तो दूर, प्राथमिक शिक्षा का माध्यम बनाने से साजिशन लगातार दूर रखा गया। लेकिन नयी शिक्षा नीति ने भारतीयता की अवधारणा को मजबूत करते हुए न सिर्फ किशोरावस्था तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा को बनाने पर जोर दिया, बल्कि मातृभाषाओं में तकनीकी शिक्षा को भी बढ़ावा देने की राह खोली।

अतीत में जब भी तकनीकी शिक्षा को मातृभाषाओं में देने का विचार सामने आता था, उसका जोरदार विरोध होता था। कहा जाता था कि तकनीक का माध्यम अंग्रेजी ही हो सकता है। बहरहाल नयी शिक्षा नीति के तहत अब भारत में भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी समेत कई अन्य भारतीय भाषाओं में शुरू करने की तैयारी हो चुकी है। बीती 17 जुलाई को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद यानी एआईसीटीई ने हिंदी, बांग्ला, मराठी, मलयालम समेत 11 भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराए जाने को मंजूरी दे दी है। इसी तरह मेडिकल के दाखिले के लिए होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भी 13 भारतीय भाषाओं में कराए जाने का फैसला लिया गया है। मेडिकल और इंजीनियरिंग की अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई के चलते भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़ाई करके आए बच्चों का तनाव बढ़ जाता था। उन्हें समझने में दिक्कत होने लगती थी। इसकी वजह से उनका मजाक तक उड़ाया जाने लगता था। इससे उपजे तनाव से कई बार हताशा में कुछ बच्चों ने अपनी जान तक दे दी थी। कई पढ़ाई छोडने को मजबूर होते रहे हैं तो कई हताशा में पढ़ाई में पिछड़ते चले गए हैं।

नयी शिक्षा नीति ने भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाने की जो रूपरेखा रखी है, उसके मुताबिक एआईसीटीई और मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया का आगे बढना मामूली बात नहीं है। भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई या दाखिला परीक्षा होने की राह नयी शिक्षा नीति से ही संभव हुआ है।

शिक्षा नीति में पहली बार शिक्षा में न सिर्फ भाषा, बल्कि उनकी शिक्षा पर भी पूरा जोर दिया गया। और तो और, शिक्षा में मूल्य बोध, व्यापक दृष्टिकोण और सृजनात्मक कल्पना के सृजन का भी साधन भाषा को ही माना गया है। कई विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रमों के भाषायी विस्तार के लिए अनुवाद के लिए अलग से विभाग बनाने शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही कई विश्वविद्यालयों ने भले ही पढ़ाई का माध्यम मातृभाषाओं में शुरू नहीं किया है, लेकिन छात्रों को परीक्षाओं में दो भाषाओं में उत्तर लिखने की अनुमति दे दी है। इसी तरह से कई विश्वविद्यालयों ने अपने स्तर पर ऐसे कई पाठ्यक्रम विकसित कर लिए हैं, जिनकी पढ़ाई दो या दो से अधिक भाषाओं के माध्यम से हो सकती है। भोपाल का अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय संभवतरू पहला विश्वविद्यालय है, जिसने हिंदी माध्यम से इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू भी कर दी है।

नयी शिक्षा नीति में भारतीयता की अवधारणा के साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा पर भी जोर दिया गया है। इस लिहाज से पाठ्यक्रम बनने शुरू हो गए हैं। देश के सबसे बड़ा खुला विश्वविद्यालय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ोदा ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। नयी शिक्षा नीति के हिसाब से पाठ्यक्रम बनाने, पढ़ाई करने आदि के लिए पिछले एक साल में जो प्रयास हुए हैं, वे मामूली नहीं हैं।

हालांकि, भाषायी शिक्षण में हीला–हवाली करने की भी जानकारियां हैं। कुछ संस्थान अपनी स्वायत्त हैसियत का दुरुपयोग करते हुए इस नीति को लागू करने की बजाय ऐसी रणनीति बना रखे हैं, जिसमें काम होता हुआ नजर तो आए, लेकिन वास्तव में लागू न हो पाए। अगर इन पर काबू नहीं पाया गया, शैक्षिक तंत्र में विचारधारा और दूसरे नाम पर जमी ताकतों को मर्यादित नहीं किया गया तो नयी शिक्षा नीति का पूरा फायदा नहीं उठाया जा सकता।

यह लेख तब तक अधूरा रहेगा यदि मैं शहीदों के उन परिजनों का जिक्र न करूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और अब जिंदगी गौरव एवं गरिमा के साथ जारी रखे हुए हैं। इस तरह की एक महिला शहीद सैनिक नायक बचन सिंह की पत्नी हैं, जो यु) के आरंभिक चरण में शहीद हो गए थे। उनकी पत्नी कमलेश बाला ने अत्यंत साहस और दृढ़ता का परिचय देते हुए अपने जुड़वां पुत्रों को बढिया ...

युवाओं के लिए प्रेरणापुंज एक प्रेरक जीत

ले. जन. मोहिंदर पुरी (अ.प्रा.)

इस बात को 22 साल हो गए जब कारगिल सेक्टर में पाकिस्तान की विश्वासघाती घुसपैठ ने देश को युद्ध के कगार पर ला दिया था। दरअसल, यह लेख 8वीं माउंटेन डिवीजन के उन युवा अफसरों और जवानों को नमन है, जिनकी अगुवाई करने का मुझे सौभाग्य और सम्मान मिला। जब मैं इन पिछले बरसों को याद करता हूं तब मुझे ख्याल आता है कि कुछ अफसर जो आज अगर जिंदा होते तो शायद किसी ब्रिगेड के कमांडर होते और इसी तरह वे युवा सिपाही भी अपने कैडर में समय के साथ ऊंचे पदानुक्रम को प्राप्त करते। लेकिन शौर्य की जो विरासत वे वीर छोड़ गए हैं, वह वर्दी में किसी पद पर रहने से कहीं ज्यादा समृद्ध और लंबे समय तक याद रहेगी।

कारगिल की पहाडियों ने हमें हथियार उठाने को ललकारा था, विश्व की सबसे दुरूह भौगोलिकता में एक गिने जाने वाले इस इलाके में 14000–18000 फीट के बीच तीखी चढ़ाई वाली ऊंची पहाडियां, विपरीत मौसम में हुई भीषण लड़ाई की गवाह बनी। मेरे मानसपटल पर न मिटने वाला जो अक्स छपा हुआ है, वह है भारतीय सैनिकों का विलक्षण अदम्य चरित्र। एक मिनट के लिए जरा कल्पना करें कि एक भारतीय फौजी अफसर कठिनतम चढ़ाई पर दुश्मन की चौकी कब्जाने के आदेश की प्रतीक्षा कर रहा है, ऊपर भारी बर्फबारी और तापमान माइनस 30 डिग्री सेलसियस के आसपास है, तिस पर चोटी पर बैठे दुश्मन की गोलीबारी उसे और जवानों को सीधे निशाना बना रही है। अपने नेतृत्व के एक आदेश पर वह मातहत सैनिकों के साथ आखिरी हल्ला बोलने को आगे बढ़ता है। एक क्षण के लिए भी उसके मन में यह विचार नहीं आता कि क्या फिर से अपने परिजनों, मां बनने जा रही पत्नी, बच्चों या बुजुर्ग मां–बाप से मेल हो पाएगा या नहीं। इन युवा फौजियों के बलिदान के कई किस्से हमारी लोकगाथाओं का हिस्सा बन चुके हैं, और इनकी यादें जिंदा रखने को यह बखान जारी रहना चाहिए ताकि आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने। फौजी होना एक विशेष तरह की पुकार है। यह उन तीन आधारभूत सिद्धांतों का प्रतीक है, जिनकी घुट्टी शपथ लेते वक्त मिली थी रू पहला, एक फौजी बनना अपरिमित फर्ज निभाने का अनुबंध है, दूसरा–द्वितीय स्थान पर होना कतई मंजूर नहीं, तीसरा– अनेकता में एकता पर कोई समझौता नहीं। यह इन तीन सिद्धांतों का परिपालन है, जिसको वह आगे वितरित करता है। अपनी फौजी बिरादरी में श्नाम–नमक–निशान्त्र सिद्ध कर दिखाने से कुछ कम उसको संतुष्ट नहीं कर सकता। कारगिल युद्ध में भी, हमेशा की तरह, हमारे सैनिकों ने अनुबंध के सभी अंगों को उच्च बनाए रखा। यही वह खासियत है, जिसकी वजह से हमारे सैनिक सबकी नजरों में चढ़े रहते हैं। अतएव जो दुश्मन हम पर बुरी निगाह डालेगा, उसकी शामत आनी निश्चित है। इसी पर अमल करते हुए युवा भारतीय सैनिकों ने कारगिल में अपना शक्ति प्रदर्शन कर दिखाया था। हर सफल हमले के पीछे क्रियान्वयन में बरती प्रचंडता की गाथा होती है, जो रेजिमेंट, सेना और देश का गौरव बढ़ाती है। हमारे युवा अफसर एवं सिपाही, जो भी रणभूमि में उतरे, पूरी दृढ़ता से लड़े, कइयों की वापसी राष्ट्रीय ध्वज में लिपटकर हुई। वे सब हमारे अपने थे, हर वर्ग से आए, उनके अंदर ज्वाला धधक रही थी और इतिहास रच डाला।

कैप्टन विजयंत थापर का किस्सा लें, भारतीय सेना अकादमी से नये–नये बनकर निकले सेना अधिकारी, जिनके लिए गौरव, फर्ज और पारिवारिक मूल्यों एवं रिवायतों को ऊंचा बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण था। सबसे दुरूह और सामरिक महत्व के स्थान पर जमे बैठे दुश्मन को खदेडने से पहले उन्होंने अपने जवानों को कहा रू श्यदि मैं पीठ दिखाऊं तो मुझे गोली मार देना और कोई अन्य पीछे हटा तो मैं मार डालूंगा।त्र यह पता लगने पर कि कंपनी कमांडर शहीद हो गए हैं, कैप्टन विजयंत ने कमान संभाली और अपनी टुकड़ी के साथ निशाने पर कब्जा कर लिया। इस दौरान जीत पाने को सैनिकों का नेतृत्व कर रहे विजयंत को मशीनगन की गोलियां लगीं और उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया। 1999 में हुई कारगिल लड़ाई बहादुरी और दिलेरी की गाथाओं से अटी पड़ी है। कैप्टन अनुज नैयर अपनी उस बटालियन का हिस्सा थे, जिसको एक बहुत महत्वपूर्ण और जटिल मोर्चे को फतह करने की चुनौती मिली थी। हमले में कैप्टन अनुज के कंपनी कमांडर जख्मी हो गए, और कमान इस युवा के कंधों पर आन पड़ी। उनकी टुकड़ी दुश्मन की तोपों एवं मोर्टार की भीषण गोलाबारी के बीच आगे बढ़ी। कैप्टन अनुज ने राकेट लांचर और ग्रेनेडों से पहला बंकर तबाह कर दिया। दुश्मन अभी भी भारी गोलीबारी कर रहा था, लेकिन उन्होंने दो और बंकरों को नष्ट करने में अपने सैनिकों का नेतृत्व किया। अब टुकड़ी बाकी बचे आखिरी बंकर की ओर बढ़ी, लेकिन इसको खाली करवाते वक्त शत्रु का ग्रेनेड सीधा आन लगा और वे शहीदी पा गए। कैप्टन अनुज को मरणोपरांत महावीर चक्र से नवाजा गया। 50 दिन चली लड़ाई ने अभ्यास, प्रेरणा, सैन्य इकाई की मूल भावना और फौज के भाईचारे वाले प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को सिद्ध कर दिखाया। चूंकि इस युद्ध की कवरेज हमें घर बैठे देखने को मिली थी, इसने लोगों में एक दुर्लभ किस्म का उत्साह जगा दिया था। भारत के हर कोने में वीर सैनिकों की पार्थिव देह का राजकीय सम्मान के साथ संस्कार किया गया। 8वीं माउंटेन डिवीजन ने तीन परमवीर चक्र हासिल किए हैं, जो देश का सर्वोच्च वीरता सम्मान है। कैप्टन विक्रम बतरा, मानद लेफ्टिनेंट योगेंद्र यादव और सूबेदार मेजर संजय कुमार को यह अतिसम्माननीय पदक मिला है। जहां कैप्टन विक्रम को यह सम्मान मरणोपरांत मिला है वहीं बाकी दोनों अभी भी सेवारत हैं। कैप्टन विक्रम बतरा, हिमाचल प्रदेश के छोटे–से शहर पालमपुर के एक युवा थे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान वे फौज में जाने को काफी प्रेरित हुए। उन्हें अपनी बटालियन में कमीशन मिली और जल्द ही द्रास की बर्फ से ढकी चोटियों पर पाकिस्तानी घुसपैठियों को निकाल बाहर फेंकने को तैनात किया गया। अपनी बहादुरी के लिए मशहूर होने के अलावा वे अपने जयघोष रू श्यह दिल मांगे मोरत्र के लिए याद किए जाते हैं। कैप्टन विक्रम ने अपने दूसरे हमले में, जो लगभग 15 दिनों या कुछ बाद में हुआ था, अपने नेतृत्व और शौर्य के जौहर फिर से बखूबी दिखाए थे। उनकी अगुवाई में एक टुकड़ी ने बहुत ऊंची चोटी पर काबिज दुश्मन को मार भगाने का अभियान शुरू किया। अनेकानेक गंभीर जख्म खाने के बावजूद वे नेतृत्व करते रहे और बाद में यही उनकी शहीदी का कारण बने। कैप्टन विक्रम की बटालियन के राइफलमैन संजय कुमार ने दुर्लभ वीरता दिखाई जब उन्होंने अकेले ही दुश्मन की मोर्चेबंदी पर धावा बोल दिया और बुरी तरह जख्मी होने के बावजूद शत्रु से जूझते रहे और अपनी टुकड़ी को सहयोग देना जारी रखा। तीसरे परमवीर चक्र विजेता, ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव, जिनका कारनामा हैरानकुन है। वे एक आक्रमण टुकड़ी का हिस्सा थे। अभियान में उन्हें सात गोलियां लगी, लेकिन वे आगे बढ़ते रहे और हाथापाई में चार दुश्मन सैनिकों को मार गिराया। जब तक चौकी पर कब्जा नहीं हो गया तब तक उन्होंने खुद को संग्राम स्थल से हटाने नहीं दिया। यह लेख तब तक अधूरा रहेगा यदि मैं शहीदों के उन परिजनों का जिक्र न करूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और अब जिंदगी गौरव एवं गरिमा के साथ जारी रखे हुए हैं। इस तरह की एक महिला शहीद सैनिक नायक बचन सिंह की पत्नी हैं, जो युद्ध के आरंभिक चरण में शहीद हो गए थे। उनकी पत्नी कमलेश बाला ने अत्यंत साहस और दृढ़ता का परिचय देते हुए अपने जुड़वां पुत्रों को बढिया शिक्षा–दीक्षा दिलवाई और फिलहाल उनमें से एक बेटा कैप्टन हितेश कुमार अपने पिता की बटालियन में कमीशंड अफसर है। हमें हमेशा उन 527 अफसर और जवानों को श्रद्धांजलि देनी चाहिए, जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया है। यह अवसर 21वीं सदी में जन्मे बच्चों के लिए यह प्रेरणा पाने का भी है कि श्अतुलनीय भारत... अजेय भारतत्र भी है।

शव लेकर प्राइवेट अस्पतालों के चक्कर काटते रहे तीमारदार

महराजगंज । रतनपुर सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर की गई एक गर्भवती महिला के स्वजन को दलालों के चक्कर में पड़ना काफी भारी पड़ गया। एक गैर पंजीकृत प्राइवेट अस्पताल में महिला की . शाम मौत हो गई, जिससे अस्पताल में हंगामा मच गया। महिला के स्वजनों को मौत पर यकीन नहीं हुआ तो पूरी रात आटो में शव को लादकर नौतनवा के प्राइवेट अस्पतालों के चक्कर काटता रहा। इस दौरान प्राइवेट अस्पताल संचालन अपने अस्पताल पर ताला बंदकर भाग गया और पीड़ित स्वजन थाना तक न जाए इस जुगाड़ में लगा रहा। परसामलिक थाना क्षेत्र के महदेइया ग्राम पंचायत के लोधपुरवा टोले की गर्भवती महिला सुनीता पत्नी राकेश लोध को शाम को प्रसव पीड़ा हुई। स्वजन उसे लेकर निकट ही स्थित रतनपुर सीएचसी पर पहुंचे। वहां मरीज की हालत गंभीर बताते हुए उसे जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन अस्पताल परिसर में ही घूम रहे दलालों व साथ आई आशा बहू ने उसे निकट के एक प्राइवेट अस्पताल पर पहुंचा दिया। वहां पर प्रसूता को तीन घंटे तक रोककर रखा गया और फौरी तौर पर इलाज किया गया। इसी बीच प्रसव के पूर्व ही महिला की मृत्यु हो गई। स्थिति नजाकत को भांपकर अस्पताल संचालक ने मृतका के स्वजन को हालत गंभीर बताते हुए नौतनवा जाने की सलाह दी। स्वजन जब उसे लेकर नौतनवा के एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचे तो वहां जच्चा–बच्चा दोनों को मृत बता वापस कर दिया गया। परसामलिक थानाध्यक्ष शाह मुहम्मद ने बताया कि किसी प्रकार की तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। रतनपुर सीएचसी प्रभारी डा. अशोक चौधरी का कहना है कि प्रसव के लिए आई महिला की स्थिति गंभीर देख उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया था। स्वजन उसे कहा लेकर गए, इसकी जानकारी नहीं है।

25 ग्राम पंचायतों के सचिव व रोजगार सेवकों का वेतन बाधित

महराजगंज। खंड विकास अधिकारी मिठौरा अजय कुमार श्रीवास्तव ने मनरेगा योजना में नियोजित श्रमिकों की संख्या कम होने पर ब्लाक के 25 ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सेवक का वेतन अग्रिम आदेश तक बाधित कर दिया है। बीडीओ ने कहा कि मनरेगा योजना के तहत शासन के मंशानुरुप श्रमिकों को रोजगार देना है। बैठकों में बार बार कहने के बाद भी कुछ ग्रामों की प्रगति खराब है। जिन ग्राम पंचायतों में नियोजित श्रमिकों की संख्या निरंतर कम हो रही है। वहां के रोजगार सेवक का मानदेय तथा ग्राम पंचायत सचिव का वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया है। जिसमें ग्राम पंचायत बरवां राजा, गौनरिया राजा, हरदी, कम्हरिया कला, करौता, मिश्रौलिया, नक्शा बक्सा, नाथनगर, पड़री खुर्द, पकड़ियार बुजुर्ग, परसौनी, पिपरा नरायन, रामपुर महुअवा, रेहांव, सिदुरिया, सिंहपुर, दुधाराई, भागाटार, जमुई पंडित, खजुरियां, मुड़ेरा कला, पचमा, रजवल और रुदलापुर शामिल हैं। इन ग्रामों के रोजगार सेवक व ग्राम पंचायत सचित की कार्यशैली यह स्पष्ट कर रही है कि वह अपने दायित्वों के प्रति सजग नहीं हैं और कार्य के प्रति उदासीनता बरत रहें हैं।

झोपड़ी में लटका मिला किशोरी का शव, एक हिरासत में

महराजगंज। चौक थानाक्षेत्र के ग्रामसभा परासखाड के जोगा टोले में .सुबह एक झोपड़ी के धरन से दुपट्टे के फंद के सहारे किशोरी का शव लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर आवश्यक कार्रवाई की। मृत किशोरी की मां ने बेटी की हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। आरोपित को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस दौरान निचलौल क्षेत्राधिकारी धीरेंद्र कुमार उपाध्याय ने देर शाम घटना का जायजा लिया। चौक थानाक्षेत्र के जोगा टोला निवासी संतराज यादव बस्ती जिला में मजदूरी का कार्य करता है। जबकि पत्नी कौसी और तीन बेटियां ग्रामसभा परासखाड के जोगा टोले में रहती हैं। . मां, बेटी सभी खाना खाकर रात में सो गए। सुबह उठने पर बड़ी बेटी उजाला नहीं नजर आई, तो उसकी खोज शुरू हुई। इसके बाद पड़ोस के ही एक व्यक्ति की झोपड़ी में दुपट्टा के सहारे उसका लटका शव बरामद हुआ। बताया जाता है कि मृतका उजाला की शादी कोतवाली क्षेत्र के किसी गांव में तय हुई थी, जिससे वह काफी गुमशुम रह रही थी। थानाध्यक्ष चौक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृत किशोरी की मां कौसी ने तहरीर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

लापता वृद्ध का शव जंगल से बरामद

महराजगंज। पनियरा के जंगल नटवा में .सुबह आठ बजे ग्रामीणों ने कंकाल में तब्दील शव को देखा। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में ले लिया और स्थानीय ग्रामीणों से पहचान कराई। लोगों ने घड़ी, कपड़ा, साइकिल देखकर उसकी पहचान चंद्रिका प्रसाद, ग्राम भैरवा जनपद गोरखपुर के रूप में की। स्वजन ने बताया कि 13 जुलाई को चंद्रिका समधी के घर पनियरा थाना क्षेत्र माधोनगर से साइकिल पर कटहल और मक्का लेकर घर के लिए चले थे, लेकिन घर नहीं लौटे। स्वजन ने तलाश की, लेकिन कहीं पता नहीं चला तो पनियरा पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर दी। बरामद वृद्ध का शव कंकाल में तब्दील हो गया था। थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि वृद्ध का शव मिला है। मौत के कारणों की जांच–पड़ताल की जा रही है।

इलाज के दौरान कांस्टेबल की मौत

महराजगंज। सिदुरिया थाने पर सीसीटीएनएस आपरेटर के पद पर तैनात रहे कांस्टेबल संदीप कुमार मल्ल का लखनऊ में इलाज के दौरान देर रात मौत हो गई। संदीप कुमार मल्ल लंबे समय से लीवर की समस्या से पीड़ित थे। देवरिया थाना कोतवाली के बरियारपुर टोला भड़सर गांव निवासी संदीप कुमार मल्ल ने 2017 में बतौर कंप्यूटर आपरेटर पुलिस विभाग नौकरी शुरू की थी। यहां पर उनको सिदुरिया थाने पर तैनाती मिली थी। सिदुरिया थानेदार अजित कुमार ने बताया कि अंतिम बार संदीप दवा कराने 20 दिनों की छुट्टी लेकर घर गए थे। पांच जुलाई को छुट्टी समाप्त होने पर वापस नहीं आए तो उनके तबीयत खराब होने की जानकारी मिली। उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जिले में 68 केंद्रों पर 8763 लोगों को लगाया गया कोरोनारोधी टीका

देवरिया। जिले में कोरोनारोधी टीका लगवाने को लेकर लोगों में जागरूकता आई है। दूसरी लहर का खौफनाक मंजर जिसने भी देखा है वह चाहता है कि तीसरी लहर आने के पहले कोरोनारोधी टीका जरूर लगवा लिया जाए।

ऐसे में हर व्यक्ति चाहता है कि कोरोनारोधी टीका मुझे लग जाए लेकिन सच्चाई यह है कि लोगों को स्वास्थ्य विभाग टीका उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। स्वास्थ्य विभाग एक तरफ कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है और दूसरी तरफ टीकाकरण केंद्रों पर टीका लगवाने के लिए पहुंचे लोगों को टीका नहीं लग पा रहा है। जिले के 68 केंद्रों पर 8763 लोगों को कोरोना रोधी टीका लगाया गया। इस दौरान 9565 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। एक हेल्थकेयर वर्कर को प्रथम डोज कोरोनारोधी टीका लगाया गया। 18 वर्ष से 45 वर्ष तक 4708 लोगों को प्रथम डोज व 430 को द्वितीय डोज दिया गया। 45 से 60 वर्ष के लोगों में 899 को प्रथम व 1335 को द्वितीय डोज दिया गया। 60 वर्ष से उपर 579 को प्रथम व 799 को द्वितीय डोज दिया गया। स्लाट बुक करने के बाद भी कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए लोग परेशान रहे। इनमें अधिकांश को निराशा हाथ लगी।

2251 की जांच रिपोर्ट निगेटिव, पाजिटिव एक भी नहीं

देवरिया । कोरोना संक्रमण की रफ्तार जिले में दो दिन से रुकी हुई है। हाल यह है कि संक्रमण रोकने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग व स्वयं सेवी संगठनों द्वारा कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। गांवों में लोग कोरोना को लेकर लापरवाह हैं। भीड़ के बीच काफी कम संख्या में लोग मास्क लगा रहे हैं। ऐसे में तीसरी लहर को लेकर लोगों को जागरूक करने के सारे दावे की हवा निकल गई है। आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 2251 की रिपोर्ट निगेटिव है जबकि एक भी रिपोर्ट पाजिटिव नहीं आई है। कोरोना से जिले में अभी तक 218 लोगों की मौत हुई है। सक्रिय केस की संख्या नौ है। होम आइसोलेशन में सात संक्रमित मरीज भर्ती हैं। 24 घंटे में 2364 लोगों की सैंपलिग की गई। अभी तक कुल 780265 लोगों की सैंपलिग कर जांच की जा चुकी है। कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 20206 है। अभी तक 19979 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि आज एक भी कोरोना जांच रिपोर्ट पाजिटिव नहीं आई है। आगे भी संक्रमण से बचाव को लेकर सावधानी बरती जा रही है। लोगों को जागरूक करने के साथ ही खुद भी एहतियात बरतना होगा। जागरूकता के हथियार से ही कोरोना को रोका जा सकता है।

कोरोना संक्रमण से बचाव के प्रति लापरवाहीः कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए संक्रमण काल में सीएचसी, पीएचसी पर लोगों को जागरूक किया जाता था लेकिन आज ऐसा नहीं हो रहा है। आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी अपनी जिम्मेदारी को लेकर लापरवाह बनी हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग संभावित लहर आने की आशंका तो जता रहा है लेकिन जागरूकता की दिशा में ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

एंटी करप्शन कोर्ट गोरखपुर को ट्रांसफर हुआ मुकदमा

देवरिया । जिले के दो अनुदानित विद्यालयों में हुए फर्जीवाड़े की जांच कर रही एसआइटी का आरोपितों पर शिकंजा कसता जा रहा है। मुकदमा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत से एंटी करप्शन कोर्ट गोरखपुर के लिए ट्रांसफर हो गया।

अब मामले की सुनवाई एंटी करप्शन न्यायालय गोरखपुर में होगी। मुकदमा ट्रांसफर होते ही मुकदमे से जुड़े आरोपितों में बेचौनी बढ़ गई है। एसटीएफ ने लघु माध्यमिक विद्यालय मदरसन व सहदेव पूर्व माध्यमिक विद्यालय में फर्जी अनुमोदन पत्र के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति व भुगतान का 10 जुलाई को पर्दाफाश किया। पांच आरोपित जेल भेजे जा चुके हैं। मामले की विवेचना कर रहे सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने आरोपितों के खिलाफ एंटी करप्शन की धारा बढ़ा दी है। उन्होंने पूरी पत्रावली मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूर्यकांतधर द्विवेदी की अदालत में पेश किया, जहां एंटी करप्शन की धारा बढ़ने के बाद मजिस्ट्रेट ने मुकदमे को गोरखपुर एंटी करप्शन कोर्ट के लिए स्थानांतरित कर दिया। विवेचना में अन्य आरोपितों के नाम भी बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। सीओ सिटी ने कहा कि मुकदमा स्थानांतरित हो गया है। विवेचना जारी है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। एंटी करप्शन एक्ट की धारा बढ़ने के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने ट्रांसफर किया मुकदमा –दोपहर को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पहुंचे सीओ सिटी, मिली जानकारी दो पक्षों में मारपीट, तीन हिरासत मेंः रामपुर कारखाना। थाना क्षेत्र के विशुनपुर चिरकिहवा में भूमि विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर शांति भंग में चालान कर दिया। जिसमें अनुहसन, आशिक शेख व आरिफ शेख शामिल हैं।

स्वास्थ्य सेवा चरमराई, फर्श पर मरीजों का इलाज

देवरिया। मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला चिकित्सालय की इमरजेंसी सेवा पूरी तरह से बदहाल है। इमरजेंसी में आए गंभीर मरीजों को बेहतर ढंग से इलाज नहीं मिल पा रहा है। बेड के अभाव में मरीजों को फर्श पर या बैठने वाले स्थान पर लिटा का उनका इलाज किया जा रहा है। यहां मरीजों का इलाज भगवान भरोसे है। मरीजों की पीड़ा सुनने और देखने वाला कोई नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवा में इमरजेंसी सेवा को ही बेहतर माना जाता है लेकिन यहां चिकित्सा के नाम पर मरीजों के साथ मजाक किया जा रहा है। यहां आए गंभीर मरीज ओटी में, फर्श पर व बैठने वाले स्थानों पर पड़े रहे लेकिन उन्हें समय से इलाज नहीं मिला। डाक्टर से गायब रहे और वार्ड ब्वाय, फार्मासिस्ट मरीजों का इलाज करते मिले। वार्ड में गंदा चादर कोने में फेंका हुआ मिला। बेड में चढ़ रहा आरएल समाप्त हुआ तो तीमारदार वार्ड ब्वाय को तलाशते हुए आया उसके नहीं मिलने पर दूसरे बेड के एक तीमारदार ने उसे बंद किया। वार्ड में अधिकांश बेड पर चादर नहीं था। चारो तरफ गंदगी बिखरी मिली। एक बेड पर चार–चार लोग बिना मास्क के मौजूद मिले। फर्श पर पड़े इलाज के लिए इंतजार करते रहे रामनिहोराः देवरिया। सलेमपुर क्षेत्र के रामपुर बुजर्ग निवासी रामनिहोरा की तबीयत खराब थी। वह गंभीर रूप से बीमार हैं। स्वजन उन्हें जिला चिकित्सालय की इमरजेंसी ले आए। यहां बेड व डाक्टर के नहीं रहने पर स्वजन उन्हें फर्श पर लिटा दिए। उन्हें कोई देखने और पूछने तक नहीं आया। वह तकरीबन एक घंटे तक यहां इलाज के लिए इंतजार किए, फिर भी उन्हें इलाज नहीं मिला। इन्हें समय से नहीं मिला इलाजः देवरिया। तरकुलवा क्षेत्र के नरायनपुर निवासी सत्तन मुसहर की तबीयत अचानक खराब हो गई। उनके स्वजन काफी प्रयास किए लेकिन एंबुलेंस नहीं मिला। गांव के लोगों ने आपस में सहयोग कर बोलेरो मंगाया और उन्हें जिला चिकित्सालय ले आया गया। यहां उन्हें उतारकर स्वजन वार्ड में ले गए। तकरीबन आधा घंटे बाद फार्मासिस्ट ने उनका इलाज शुरू किया। रामअधीन प्रसाद बभलौनी गौरीबाजार, ऋषभ पुत्र राम औतार सिगही, ममता पांडेयपुर, विक्रम यादव सकरापार को भी समय से इलाज नहीं मिला। इन्हें इलाज के लिए इंतजार करना पड़ा।

तेज हवा के झोंके व बारिस से गिरे बिजली के खम्भे व पेड़

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। तेज हवा के झोंके व बरसात से गिरे बिजली

के खम्भे व पेड़ जनजीवन हुआ प्रभावित। बता दें कि शनिवार को उपनगर गोला के बेवरी गांव में दोपहर में तेज हवा और बरसात के कारण मुक्तिधाम व मन्नीपुर गाँव के रोड पर बिजली के खम्भे गिर कर टूट गए और सड़क के किनारे लगे पेड़ की डालिया टूट कर के सड़क पर गिर गई जिससे कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित हो गए। बिजली के खम्भे गिरने से आपूर्ति ठप हो चुकी है और अभी तक उसकी बहाली नहीं हुई है। जबकि बिजली विभाग के कर्मचारी समय पर मौजूद हो गए और बिजली के खंभों को हटवा करके लाइन बहाल करने के पूरे प्रयास में लगे हुए हैं समाचार लिखे जाने तक बिजली की आपूर्ति नहीं हो चुकी थी। मौसमी फसलों को बरसात के पानी से फायदा हुआ है। तो उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिला तो वही बरसात के पानी से कहीं–कहीं सड़कों पर जलजमाव हो गया आने जाने वालों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भासपा के सेक्टर व बूथ प्रभारियों की पूर्व निर्धारित संयुक्त बैठक संपन्न हुआ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। विधानसभा क्षेत्र 334 अंतर्गत विकासखंड क्षेत्र सुकरौली के ग्राम पंचायत टिकर में स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटर कॉलेज में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के सेक्टर व बूथ प्रभारियों की संयुक्त बैठक संपन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मास्टर राधेश्याम सिंह ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान के अनुसार सर्व समाज की बात करने वाली एकमात्र पार्टी है सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी एवं हमारे नेता ओम प्रकाश राजभर किसी विशेष मजहब के बजाय सभी गरीब लोगों को संगठित करके गरीबी एवं असमानता के विरुद्ध संघर्ष करना चाहते हैं असमानता

की लड़ाई लड़ते हुए ही माननीय ओम प्रकाश राजभर द्वारा कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश के पद से त्यागपत्र दिया गया इस लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव 2022 में हम लोगों को विधानसभा में पहुंचना नितांत आवश्यक है जिसको आप सभी के सहयोग से ही पूरा किया जा सकता है कार्यक्रम में मुख्य रूप से आगामी विधानसभा चुनाव 2022 के निमित्त बूथ कमेटियों के गठन उनके महत्व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों के साथ हाटा विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा किया गया उपस्थित वक्ताओं के अनुसार हाटा विधानसभा क्षेत्र में थाना,तहसील,बैंक,व विकास खण्ड सभी आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं जिनका मुकाबला करने के लिए संगठन बनाकर संघर्ष करने पर जोर दिया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मास्टर राधेश्याम सिंह व विशिष्ट अतिथि ध्रुवदेव राजभर मंडल उपाध्यक्ष व रामअवतार राजभर रहे जबकि कार्यक्रम का अध्यक्षता रामनिवास मल्ल ग्राम प्रधान कुसम्हा व संचालन बांकेलाल राजभर ने किया इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष हाटा ध्रुवदेव राजभर मंडल उपाध्यक्ष एवं राम औतार राजभर गायक प्रकोष्ठ सुरेश सिंह ग्राम प्रधान सुम्हाटार राधे सिंह पूर्व ग्राम प्रधान मोती पाकड़ वीरेंद्र सिंह सेक्टर प्रभारी एक, जय सिंह सेक्टर प्रभारी दो इश्तिखार अली सेक्टर प्रभारी हीरा सिंह आदि पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे

विद्यालय में पहला स्थान हासिल कर माँ बाप का किया नाम रोशन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। अभ्युदय पब्लिक स्कूल राजगढ़ के हाई स्कूल के छात्र शेखर प्रताप सिंह हाई स्कूल में 88.16 अंक लाकर विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। जानीपुर निवासी व भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह राजन के इकलौते पुत्र शेखर प्रताप सिंह ने यूपी बोर्ड स`88.16□ अंक लाकर अपने माता पिता का नाम रोशन कीया। शेखर अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता–पिता और गुरूजनों को दी। आगे चलकर यूपी एससी की तैयारी करना चाहते हैं। यहां बता दें कि शेखर प्रताप सिंह अपने स्कूल में जूनियर हाई स्कूल में सर्वोच्च अंक ला चूके है। उनके पिता राजेश सिंह राजन, माता संगीता सिंह, बहन साक्षी और यशू, संतोष चंद, राजाराम दुबे, शिवेंद्र प्रताप सिंह आदि ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। अजय कुमार जायसवाल

विकास खण्ड में आयोजित ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य सम्मान समारोह संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। जनपद में हुए ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों के चुनाव के बाद कप्तानगंज ब्लॉक परिसर में आयोजित ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यों का सम्मान समारोह का कार्यक्रम रखा गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाही ब्लॉक प्रमुख विशाल सिंह पूर्व विधायक दीपलाल भारती पूर्व ब्लॉक प्रमुख मनोज सिंह कप्तानगंज जय प्रकाश उपाधयाय विजय खेतान शेष मणि गौड़. अरुण जायसवाल हिन्दू युवा वाहिनी ब्लाक अध्यक्ष, आमीर उर्फ पट्टू क्षेत्र पंचायत सदस्य राम प्रताप सिंह राम गोपाल गुप्ता एम् पी कनौजिया राम प्रताप सिंह घनश्याम गोरखपुरी रविंद्र शुष्मा शर्मा दिनेश सिंह आर पी सिंह रत्नेश भरद्वाज विजय कनौजिया वैजनाथ गुप्ता हरेराम गुप्ता के साथ साथ भाजपा कार्यकर्ता व अन्य नेतागण भी मौजूद रहे साथ में सभी प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष कप्तानगंज आनन्द मिश्रा व संचालन सन्तोष मद्धेशिया ने किया।

जनता की सेवा करना ही मेरा लक्ष्य, अन्याय व भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगाः अभय प्रताप राव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। जनपद के हाटा विधानसभा क्षेत्र से आसन्न विधानसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी जताते हुए युवा भाजपा नेता अभय प्रताप राव ने कहा कि जनता की सेवा करना ही मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य है आगामी विधानसभा चुनाव में अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग मेरा प्रमुख मुद्दा होगा जबकि पिछले 4 वर्षों से मैं लगातार जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर लोगों के सुख–दुख में अपनी भागीदारी निभाई है युवाओं के बल पर देश में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं और मैं हाटा विधानसभा क्षेत्र में अधिक से अधिक युवाओं को अपने साथ जोड़ कर उन्हें सामाजिक कार्यों में भागीदारी निभाने तथा अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने को प्रेरित होंगी किसानों, नौजवानों की

किया है विधानसभा चुनाव में जनता के आशीर्वाद से यदि मैं टिकट पाकर विधानसभा का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त किया तो हाटा विधानसभा क्षेत्र को एक मॉडल विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा जिसमें स्वास्थ्य एवं शिक्षा की सुविधाएं प्रमुख रूप से शामिल समस्याओं का निराकरण कराना मेरी प्राथमिकता होगी तथा गन्ना किसानों की समस्याओं के हित का पूरा ख्याल रखा जाएगा देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार द्वारा किए गए कार्यों के दम पर आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती के साथ अपनी भागीदारी निभाई जाएगी प्रदेश नेतृत्व ने यदि मुझे अवसर दिया तो हाटा विधानसभा क्षेत्र में बड़ी बड़ी परियोजनाएं लाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे युवा भाजपा नेता ने आगे कहा कि जनता के बीच लगातार कई वर्षों से मेरा संपर्क बना हुआ है और लोगों के आशीर्वाद प्रेम व स्नेह से विधानसभा में जाने का अवसर मिला तो उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का काम करूंगा प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशों के अनुसार उनके पद चिन्हों पर चलते हुए पार्टी के कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर अपनी सहभागिता निभाता रहूंगा।

घोरावल सीएचसी पर गर्भवती महिलाओं को मिलेगी सिजेरियन प्रसव की सुविधा

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सिजेरियन प्रसव के लिए गर्भवती महिलाओं को अब जिला अस्पताल या निजी अस्पताल के चक्कर नही लगाने होंगे। जरूरत होने पर सीएचसी की कॉल पर निजी अस्पताल के सर्जन टीम के साथ यहां आकर सिजेरियन प्रसव कराएंगे। गुरुवार को अस्पताल में पहला सिजेरियन प्रसव होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चार साल पहले 50 बेड जच्चा बच्चा वार्ड का शुभारंभ किया गया।सर्जन की व्यवस्था न होने से यहां पर सिर्फ सामान्य प्रसव कराए जाते हैं। केस जटिल होने व सिजेरियन प्रसव की व्यवस्था उपलब्ध न होने से ऐसे केस को जिला अस्पताल रेफर किया जाता था।डीएम, सीएमओ व पिरामल स्वास्थ्य के प्रयासों से अब सिजेरियन प्रसव की व्यवस्था अस्पताल में ही होगी ब्लड स्टोरेज की सुविधा ही मिलेगा। यदि ऑपरेशन की जरूरत पड़ेगी तो निजी अस्पताल के सर्जन जिला मुख्यालय से यहां आकर सिजेरियन प्रसव कराएंगे। सीएचसी अधीक्षक डॉ मुन्नाप्रसाद ने बताया कि गुरुवार शाम छाईन गांव निवासी सुमन मौर्या पत्नी वीरेंद्र मौर्या को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिजेरियन की जरूरत होने पर फर्स्ट रेफरल यूनिट सीएचसी में रात में जिला मुख्यालय से आए निजी सर्जन डॉ सुमन सिंह द्वारा एनेस्थेटिक पीके सिंह, डॉ पल्लवी सिंह के सहयोग से सफलतापूर्वक सिजेरियन प्रसव कराया गया।नवजात शिशु का वजन 3200 ग्राम है और जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। जल्द ही होगी ब्लड स्टोरेज की सुविधा जा रही है।

- सिजेरियन के लिए निजी सर्जन देंगे सेवा
- बृहस्पतिवार रात अस्पताल में पहला सिजेरियन प्रसव कराया गया

आया सावन झूम के: रिमझि रिमझिम से झमाझम.

उमड़ घुमड़ घिर आयी बदरिया, झर–झर झर रहे झरने

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। सोनांचल में तीन दिनों से काली घटाएं छाई हुई हैं। काले कजरारे मेघ घिरे हुए गरज चमक के साथ बरस रहे हैं। गुरुवार से ही कभी रिमझिम– रिमझिम तो कभी झमाझम सावन के बादल बरस रहे हैं। लगता है बहुत दिनों के बाद जनपद में सावन झूम के आया है। किसानों के चेहरे खिल गए है। बरसात से सिवान में पानी ही पानी नजर आ रहा है। पहाड़िया धुल गई है और वनों में हरियाली पसर गई है। प्रकृति ध्ा्नी चुनर पहन चुकी है। वनों में मोर नाचने लगे है। ग्रामीण क्षेत्रों में मेंढकों की टर्र टर्र की संगीत बजने लगी हैं। शनिवार को भी झूम के बादल बरस रहे थे, नदियां उफान पर हैं। बेलन का फैलाव गाँवो तक हो गया है। तेज बरसात से धान की रोपाई ठप हो गई है। जगह जगह बिजली के खम्भे टेढ़े हो गए है। खपरैल के छाजन वाले कच्चे मकानों का छाजन छोपन धसक रहा है । पशुओं को चारे की परेशानी हैं तो दिहाड़ी पर काम करने वाले खेतिहर मजदूरों के सामने रोजगार की दिक्कतें दिखाई देने लगी है। यह स्थिति करमा, रॉबर्ट्सगंज, चोपन, घोरावल, नगवां, दुद्धी, बभनी, कोन, चतरा, समेत सभी क्षेत्र पंचायतों के 629 ग्राम पंचायतों के 1800 राजस्व गाँवो की हैं। एक मात्र नगर पालिका परिषद समेत नगर पंचायत घोरावल, चुर्क, पिपरी, रेनुकूट, चोपन, दुद्धी आदि में जल भराव की समस्या खड़ी हो गई है। रॉबर्ट्सगंज में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैला हुआ है। अभी सावन के बादल उमड़ घुमड़ कर गरज चमक के साथ कब तक बरसते रहेंगे कहा नही जा सकता। गांवों में घरों में झूले पड़ गए है। महिलाएं और लड़कियां सावनी गीत गाने लगी हैं। हमे चुनरी मंगाइ दा मदन पुरी पिया, रंग रहे कपूरी पिया ना। हमे मेहदी मंगाइ दा कटाकील से, जायके साइकिल से ना। पिया हबड़ा क पुल मशहूर बा, देखना जरूर बा ना। पुरनियां कह रहे हैं कई वर्षों के बाद सावन झूम के आया है। सावन से भादो कमजोर नही होता । इसलिए उम्मीद है सावन की तरह ही भादो भी झूम कर बरसेगा।

13 वर्षीय बालक की नहर में डूबने से मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के बहेरा गांव मे अपने मौसा के घर आये तेरह वर्षीय लड़के की शनिवार को दोपहर बारह बजे घाघर नहर में डूब कर मौत हो गयी। गांव के प्रधान प्रतिनिधि ध्ा्ीरज सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मृतक दीपक पुत्र नन्दू निवासी बगही थाना कोतवाली रावर्टसगंज लगभग पन्द्रह दिन पूर्व अपने मौसा नरेश पुत्र विशुन निवासी बहेरा थाना करमा के घर आया हुआ था। शनिवार को उसके मौसा तथा परिवार के दूसरे सदस्य खेत पर काम करने चले गए और दीपक अपने मौसा की बकरियां लेकर घाघर नहर के किनारे चराने चला गया। थोड़ी देर में बकरियां नहर में तैर कर दूसरी तरफ चलीं गयीं बकरियों को तैर कर दूसरी तरफ जाते देख दीपक भी नहर पार करने लगा । पानी तथा बहाव अधिक होने के कारण दीपक नहर में डूब गया आसपास में रहे गांव के दूसरे लड़के दीपक को डूबता हुआ देखकर शोरगुल करते हुए गांव के लोगों को बताया। गांव के लोगों को घटना स्थल पहुंचे तब तक दीपक डूब चुका था । सूचना पर पहुंचे एस एस आई विनोद कुमार यादव ने बताया नहर में पानी अधिक है इस लिए पड़रवा त्रिमुहानी पर पहुंच कर सभी फाटक खुलवा गया है तथा आसपास जितनी माइनरे हैं सभी को खुलवा कर पानी कम किया जा रहा है । स्थानीय स्तर पर गोताखोर न होने की स्थिति में वाराणसी तथा विन्ध्यांचल तक सम्पर्क किया गया लेकिन मौसम खराब होने के चलते तत्काल मे गोताखोर आने से मना कर दिये । उन्होंने ने बताया कि नहर में पानी तेजी से कम हो रहा है ग्रामीणों के सहयोग से शव की खोजबीन युद्ध स्तर पर की जा रही है । कुछ समय बाद ही बालक जिस स्थान पर डूबा था उससे कुछ दूरी पर मिला जिसे अस्पताल ले जाया गया जहा डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गयी।

खजनी ब्लाक के सभी पंचायत प्रतिनिधि का सम्मान समारोह संपन्न हुआ

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोरखपुर। खजनी ब्लाक के नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत व क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आज हरनहीं के वीर बहादुर सिंह डिग्री कॉलेज में सम्मान समारोह संपन्न हुआ । आज खजनी ब्लाक के सभी ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय शिव प्रसाद शुक्ला पूर्व केंद्रीय मंत्री, व खजनी के विध्ा्ायक संत प्रसाद, निवर्तमान खजनी ब्लाक प्रमुख अंशु सिंह ,मंडल अध्यक्ष खजनी धरणीधर राम त्रिपाठी, शिक्षा विभाग के सहसंयोजक घनश्याम मिश्रा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश चौरसिया, सहकारी बैंक के चेयरमैन खजनी विनोद शर्मा, दिनेश प्रताप सिंह, मंडल उपाध्यक्ष अनिल कुमार पांडे, खजनी क्षेत्र के समाजसेवी इंजीनियर गिरजेश कुमार भास्कर, श्याम सुंदर सिंह अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि शिव प्रताप शुक्ला जी के द्वारा सभी ग्राम प्रधानों को गमछा दे कर के सम्मानित किया गया । और उन्होंने आगे कहा कि सभी प्रध्ा्ान एकजुट होकर के अपने अपने क्षेत्र का विकास करें और इमानदारी पूर्ण ढंग से कार्य करें। सभी प्रधानों को उन्होंने अपनी ओर से शुभकामनाएं दी खजनी के विधायक संत प्रसाद जी के द्वारा भी सभी प्रधानों को हार्दिक शुभकामनाएं दिया गया । खजनी के निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख अंशु सिंह के द्वारा भी सभी प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को भी शुभकामनाएं दी गई । इसमें उपस्थित ग्राम प्रध्ा्ानों में बदरा ग्राम सभा के युवा प्रधान करुणाकर मौर्य ,भैसा बाजार के ग्राम प्रधान तूफानी कनौजिया ,भटियारी के ग्राम प्रधान वीरेंद्र मौर्य ,बहुरिपार की ग्राम प्रधान कुसुम देवी, हरनहीं से ऋषिकेश ,घईसरा से प्रियंका सिंह, डांगी पार से जितेंद्र यादव , सैरो से सतपाल यादव, जिगना बाबू से कृष्णावती देवी, भीटहा कुंवर से रमजान, हरिहरपुर से मंदावती आदि उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश शिवद्वार में किया जलाभिषेक

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। जनपद में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुनीश्वर नाथ भंडारी द्वितीय काशी शिवद्वार मंदिर में दर्शन पूजन किया। शिवद्वार मंदिर पर मुख्य पुजारी सुरेश गिरी, पुजारी अजय गिरी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को उनके परिवार के साथ दर्शन पूजन कराया। इस अवसर मंदिर कमेटी की ओर से मुख्य पुजारी सुरेश गिरी ने उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में श्री उमामहेश्वर की प्रतिमा भेंट की। यहां दर्शन पूजन के बाद वह मुक्खा फाल पहुंचे। इस अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक सिंह, एसपी अमरेंद्र सिंह, एडीजे, एसडीएम सुशील यादव,सीओ शंकर प्रसाद व प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह आदि रहे।

हंस वाहिनी के बच्चो ने फिर फहराया परचम, जनपद के टाप टेन में शामिल

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित हाई स्कूल एवम् इंटर का परीक्षा परिणाम शनिवार को घोषित कर दिया गया। जिसमे जनपद सोनभद्र के सर्वाधिक अंक पाने वालो में हंस वाहिनी इंटर कालेज कसया हाई स्कूल के स्नेहा यादव व आशीष सिंह ने 534 अंक प्राप्त कुल 89 अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला व जनपद में दूसरा स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया, दूसरे स्थान पर अजय कुमार सोनी ने 88.7 अंक हासिल कर विद्यालय में दूसरा स्थान हासिल किया। इसी तरह रंजना पाल 86, सविता मौर्या 86, प्राप्त किया। वहीं इंटर में निशांत कुमार श्रीवास्तव 82 एवम् आशुतोष यादव ने 82, आशु पटेल 80, शिवेंद्र सिंह 79.8 अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वाधिक अंक का रिकार्ड बनाया। कालेज के प्रधानाचार्य उमाकांत मिश्र ने छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों के बच्चे शहरी क्षेत्र के किसी भी मेधावी से कम नहीं है। सुविधाओं के अभाव में भी ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे जिनको अभिभावकों का भी पूरा सहयोग नहीं मिल पाता उसके बाद भी इतने अच्छे अंक प्राप्त किए जो काफिले तारीफ है। प्रधानाचार्य ने बताया कि हंस वाहिनी इंटर कालेज कसया विगत 08 वर्षो से लगातार टॉप टेन में स्थान बनाने में कामयाब रहा है। जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।

फोटो 21

हैदराबाद कमाने जा रहे बस्ती के युवक की ट्रेन से कटकर मौत

दीपक सोनीध्दैनिक बुद्ध का सन्देश
बस्ती। रोजी–रोटी की तलाश में घर से हैदराबाद जाने के लिए निकले युवक की लखनऊ ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। मृतका विनोद कुमार सोनी (38) पुत्र परमात्मा प्रसाद सोनी वाल्टरगंज कस्बे का रहने वाले थे। लखनऊ में हुए हादसे की खबर से परिवार में मातम पसर गया बताया जा रहा है कि विनोद कुमार सोनी गुरुवार को कुशीनगर एक्सप्रेस से अपने साथियों के साथ कमाने के लिए हैदराबाद रवाना हुए थे। देर रात ट्रेन लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर रूकी। ट्रेन से उतर कर विनोद पानी की बोतल लेने चले गए इसी बीच अचानक ट्रेन आगे बढ़ गई। दौड़ कर डिब्बे में चढ़ने के प्रयास में उनका पैर फिसल गया और ट्रेन की चपेट में आकर उनकी मौत हो गई। तीन भाइयों में सबसे छोटे विनोद की मौत की सूचना से बड़े भाई अशोक, रामू व अन्य परिवारीजनों का रो–रो कर बुरा हाल था।

वृहद गो आश्रय स्थल में मनरेगा से होगी चारा–पानी की व्यवस्था

दैनिक बुद्ध का सन्देश
बस्ती। डीएम सौम्या अग्रवाल ने कोइलपुरा में बने गो आश्रय स्थल के रख–रखाव को दुरुस्त करने के लिए विभागीय अध्ि ाकारियों को निर्देशित किया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि यहां पर गोवंश के पशुओं की संख्या बढ़ाई जाए। पशुओं के चारा पानी के लिए मनरेगा से व्यवस्था हो। जलभराव वाले स्थानों पर मिट्टी भरकर सतह को बराबर करें डीएम ने वृहद गो आश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण किया था।

निरीक्षण में यहां पर व्यवस्था खराब पाई गई थी। व्यवस्था सुध्ा्ार के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाई थी, जिसमें डीपीआरओ, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्रीय पशु चिकित्सा अधिकारी, ग्राम प्रधान सियाराम, लेखपाल, ग्राम सचिव, रोजगार सेवक उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गो आश्रय स्थल में खाली पड़ी जमीन पर हरा चारा उगाया जाए। यहां पर तैनात किए गए लोगों को मनरेगा से मजदूरी का भुगतान करें। गोबर की खाद बनाकर उसे किसानों को बेचा जाए। इस आय से गोवंश के चारे एवं दाना की व्यवस्था हो। मनरेगा के तहत कंपोस्ट पिट तैयार किया जाए ईओ नगर पालिका अखिलेश त्रिपाठी को निर्देश दिया कि प्रतिदिन कॉऊ कैचर संचालित करें। पशुओं को पकड़ कर कोइलपुरा गो आश्रय स्थल भेजें।

भाजपा मंडल घोरावल ने प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। घोरावल नगर पंचायत के सभागार में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें घोरावल ब्लॉक के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को माल्यार्पण कर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।अपने संबोधन में जिला महामंत्री अमरनाथ पटेल ने कहा कि नवनिर्वाचित प्रधान एवं बीडीसी अपने क्षेत्र के विकास में जुट जाएं और जनता की समस्याओं के लिए काम करें।इस अवसर पर घोरावल मंडल अध्यक्ष अरूण पांडेय,जिला मंत्री कैलाश बैसवार,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार,संजय जायसवाल आदि मौजूद रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही ग्रामीण विकास संस्थान का लक्ष्य :योगेंद्र उपाध्याय

दैनिक बुद्ध का सन्देश
हाटा/कुशीनगर। ग्रामीण विकास संस्थान हाटा कुशीनगर के तत्वावधान में मथौली बाजार में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर उन्हे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दिया गया इस अवसर पर ग्रामीण विकास संस्थान हाटा कुशीनगर के महासचिव योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संस्थान द्वारा 23 जून 2021 से लगातार कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं महिलाओं को तीस तीस की टोली बनाकर उन्हें सिलाई कढ़ाई बुनाई केले के रेशे से उत्पाद तथा ग्रामीण क्षेत्र में पाए जाने वाले ऐसे सभी उत्पादों का प्रशिक्षण इन्हें बैचवार दिया जा रहा है इन महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जाएगा ताकि वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके तथा अपने परिवार के लिए आर्थिक स्रोत पैदा कर सकें एक बैच का प्रशिक्षण 15 दिन तक चलेगा उसके बाद दूसरे और तीसरे बैच का प्रशिक्षण कराया जाएगा ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे–छोटे समूहों को मिलाकर एक संघ बनाया जाएगा ताकि इस समूह की महिलाएं भी लाभान्वित हो सके इस प्रकार के कार्यक्रमों द्वारा गांव गांव जाकर संस्थान के लोग महिलाओं को जागरूक कर रहे हैं समूह चलाने वाली सभी महिलाओं को जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही हमारे संस्थान का सबसे बड़ा लक्ष्य है संस्थान की संचालिका तुहीन श्रीवास्तव ने कहा कि आज के इस परिवेश में जहां देश की आधी आबादी महिलाओं की है हम लोग इन महिलाओं को जागरूक कर उन्हें प्रशिक्षित कर सिलाई कढ़ाई बुनाई व केले के रेशे से बनाए जाने वाले उत्पादों की जानकारी देकर उन्हें समाज में आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं महिलाएं आत्मनिर्भर हो स्वावलंबी हो और प्रशिक्षित होकर के अन्य महिलाओं को भी अपने इस गुण से लाभान्वित कर सकें।

रिश्तों को आदर्श की डोर से बांधता है राम चरित मानसः आचार्य विनोद

देवकली (कुड़वाआम) स्थित पृथ्वीनाथ शिव मन्दिर में चल रही राम कथा

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोला/गोरखपुर। जीवन में रिश्तो का कोई मोल नही होता हर रिश्तो को ईमानदारी और त्याग से निभाना अपने संस्कार में अपनाना चाहिए। रिश्तो में कपट नही आना चाहिए क्योंकि कपट से रिश्ते टूट जाते है सुख शान्ति के लिये बने रिश्ते कपट से कलह का कारण बन जाते है। रिश्तों में त्याग और समर्पण होना चाहिए। रिश्तों का सर्वोत्तम उदाहरण राम चरित मानस में देखने को मिलता है जहां सभी पात्रों में त्याग, निष्ठा, समर्पण और प्रेम देखने को मिलता है।

उक्त बाते गोला विकास खंड के कुड़वाआम (देवकली) स्थित पथ्वी नाथ शिव मन्दिर परिसर में श्रवण मॉस में शुक्रवार को शुरू हुई राम कथा में ब्यास पीठ से अयोध्या से पधारे कथावाचक मानस मर्मज्ञ आचार्य विनोद जी महाराज ने श्रोताओं को कथा का रसपान कराते हुए कही। आगे उन्होंने कहा कि जो सबको अपना बना ले वह भोलेनाथ है जो सारे कष्टो का निवारण कर देते है वह अवघड दानी है, देने लगते है तो अपना ख्याल भी नही रखते है भस्मासुर उसका उदाहरण है। इसके पूर्व कथा का शुभारंभ सेवानिवृत शिक्षक अस्सी संगम दुबे एवं पूर्व प्रधान श्याम देव यादव ने ब्यास पीठ की आरती कर की। अंत में कथा के आयोजक श्याम मुरारी यादव ने सभी श्रद्धालुओं को आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर धरणीधर दुबे, रामसहाय दुबे, देवेन्द्र दुबे,रमेश यादव, भागीरथी यादव, मोहन दुबे, रोहित मिश्र, चंद्रिका यादव, श्रीनिवास यादव, अक्षय यादव, प्रशांत यादव, अनिल यादव, मनीष दुबे, विक्रम यादव आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

निःशुल्क शुगर कैंप में 138 ने कराई जांच, 16 मिले शुगर प्रभावित

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सोनभद्र। स्थानीय नगर पालिका परिषद परिक्षेत्र के अशोक नगर में शनिवार को लायंस क्लब रावर्ट्सगंज की ओर से निशुल्क शुगर कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान भारी संख्या में शुगर से प्रभावित लोगों ने पहुंच कर नव सिर्फ अपनी चिकित्सकीय जांच करवाई बल्कि विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया। यह जानकारी विमल अग्रवाल देते हुए बताया कि शिविर में 138 मरीजों का चेकअप किया गया जिसमें 16 मरीजों को शुगर पाया गया। शुगर मरीजों को पंपलेट वितरित कर नियमित व्यायाम एवं डॉक्टर के सलाह पर दवा एवं खानपान पर विशेष ध्यान देने के प्रति जागरूक किया गया। वही लायन अध्यक्ष किशोरी सिंह ने कहा कि अब हर दूसरे तीसरे व्यक्ति में शुगर पाया जाने लगा हैं। उन्होंने इससे बचने के लिए अनिवार्य रूप से मार्निंग वाक करने तथा अनुलोम– विलोम, कपाल भाटी आदि व्यायाम योगा करने के लिए प्रेरित किया। लायन राधिका सिंह, लायन आशू सिंह, अभय सिंह, अशोक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

तालगांव में मिली सिर कटे शवों की घटना का हुआ खुलासा

मरने वाले पति पत्नी जौनपुर जिले के थे रहने वाले

सीतापुर। तालगांव इलाके के मदनापुर गढ़ी में गत 25 जुलाई की सुबह मिली सिर कटी महिला व युवक की लाश के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा करने का दावा किया है। एसपी आरपी सिंह ने बताया कि शिनाख्त के दौरान पता चला कि दोनों पति पत्नी थे और लूट के इरादे से घटना को अंजाम दिया गया था। जिसकी माल बरामदगी भी पुलिस ने कर ली है। एसपी ने बताया कि प्राप्त साक्ष्यों एवम् सूचनाओं के आधार पर लगी टीमों द्वारा शकील अहमद पुत्र इसराइल, अकील अहमद पुत्र इसराइल, इसराइल पुत्र इस्माइल निवासीगण अंबावा थाना तालगांव रमजान अली पुत्र मौला निवासी गऊघाट थाना ठाकुरगंज लखनऊ को गिरफ्तार किया गया। गहनता से पूछताछ की गयी तो पकड़े गए अभियुक्तों ने बताया कि मदनापुरगढ़ी में मिले दोनों शव सतीश पुत्र शिवमूरत व मंजू देवी पत्नी सतीश निवासी करहकोल थाना, एकौना जनपद देवरिया के हैं। दोनों पति पत्नी थे। शकील ने बताया कि वह चिनहट के पास किराये पर रहकर मजदूरी करता है। इन दोनों पति पत्नी से करीब तीन माह पहले उसकी जान पहचान हुई थी और उनके घर भी आना जाना था। इस दौरान उसने मृतका मंजू ने कहा कि मेरे पास कुछ पैसे इकट्ठे हो गये है इन्हें जमा करा दो। शीघ्र जमा कराने का आश्वासन देकर लालच में आकर शकील ने उन्हें लेने की योजना बनायी। जिसके तहत 24 जुलाई की शाम को शकील दोनों पति पत्नी मंजू व सतीश को विश्वास में लेकर अपनी मोटरसाइकिल पर लखनऊ से बैठाकर अपने गांव अम्बावा के पास मदनापुर गढ़ी तक ले आया। जहां पूर्व योजना के अनुसार आये हुए बाकी तीन लोग अकील, रमजान व अकील का ससुर इसराइल ने उन दोनों पर हमला कर तेज बांके से उनकी हत्या कर दी व उनके पैसे लेकर चले गये। दोनों व्यक्ति अन्य जनपद के थे। उनकी पहचान न हो सके इसलिये उनके पहचान पत्र, मोबाइल भी अभियुक्तगण अपने साथ ले गये। महिला के पास से मिले 72000 रुपये चारों अभियुक्तों ने शकील की पत्नी सहित आपस में बांट लिये। एसपी ने बताया कि यद्यपि शकील की पत्नी रुख्सार मौका ए वारदात में शामिल नहीं थी किंतु उसको योजना को पहले से जानती थी व मृतका का आधार कार्ड पैनकार्ड तथा पति शकील के खूनालूद कपड़े उसके पास रखे थे। इसी कारण पैसे में उसका भी हिस्सा लगाया गया। एसपी ने यह भी बताया कि पकड़े गए अभियक्तों के पास से लूट का सामान भी बरामद कर लिया गया तथा इनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

11 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

सीतापुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष कुलदीप कुमार द्वितीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर के आदेशानुसार श्रीमती सुदेश कुमारीए न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर द्वारा यह जानकारी दी गयी कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 11 सितम्बरए 2021 दिन शनिवार को जनपद न्यायालय प्रांगण सीतापुर में आयोजित की जायेगी। जिसमें वादकारी तथा अधिवक्तागण किसी भी प्रक्रिया के माध्यम से जैसे.व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर या फिर वर्चुअल मोड द्वारा निस्तारित योग्य वादों का निस्तारण करा सकेगें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश सुदेश कुमारी द्वारा जनपद न्यायाधीश कुलदीप कुमार के निर्देशानुसार बताया गया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा. 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, राजस्व सम्बन्धी वाद, अन्य सिविल वाद किराया सुखाधिकार व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, बैंक के प्रीलिटिगेशन विवाद व अन्य सम्यक विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जा सकता है तथा अधिक से अधिक ई.चालान का भी निस्तारण किया जाना है। समस्त विद्वान अधिवक्तागण एवं वादकारीगण अपने मामलों को सम्बन्धित न्यायालय में प्रार्थना पत्र के माध्यम से लगवाकर राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण करवाकर लाभ उठा सकते है। न्यायाधीश सुदेश कुमारी द्वारा बताया गया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में शासन द्वारा जारी कोविड.19 से सम्बन्धित समस्त गाइडलाइन्स का अक्षरसरू पालन किया जायेगा तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जायेगा।

किसानों को प्रथम आदान के रूप में वर्मी कंपोस्ट पिट एवं अजोला पिट का किया गया वितरण

महोली (सीतापुर)। महोली विकास क्षेत्र में सब्जी उत्पादक किसानों के साथ ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में नाबार्ड द्वारा प्रायोजित परियोजना का संचालन शुरू किया गया है। जिसमें क्षेत्र के 3 गांव विक्रमपुर राजपुर एवं भगवानपुर में 30 सब्जी किसानों को चयनित किया गया है। इन किसानों को एकीकृत जीवनाशी प्रबंधन एवं देसी तकनीकी ज्ञान आधारित आदानों के सहयोग से कीट व रोग नियंत्रण को प्रभावी बनाने हेतु कार्य किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एफ पीओ के द्वारा ग्राम विक्रमपुर में जागरूकता एवं आदान वितरण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मयंक प्रताप सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र कटिया के प्रभारी अध्यक्ष डॉक्टर दयाशंकर श्रीवास्तव एवं ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के निदेशक विनोद कुमार ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विक्रमपुर राजपुर एवं भगवानपुर के किसानों को प्रथम आदान के रूप में वर्मी कंपोस्ट पिट एवं अजोला पिट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक डॉक्टर दयाशंकर श्रीवास्तव ने किसानों को वर्मी कंपोस्ट एवं एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन की विधियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि महोली के मस्जिद बाजार क्षेत्र में सब्जियां बहुतायत मात्रा में उत्पादित की जाती हैं लेकिन किसानों को इसका पूर्ण रूप से लाभ नहीं मिल पाता है क्योंकि उत्पादन में दिन.प्रतिदिन लागत में बढ़ोतरी होती जा रही है। फसल में सबसे अधिक लागत फसल सुरक्षा आदान के रुप में आती है।

किसान को हर 4 दिन में जहरीली कीटनाशकों का प्रयोग खेत में करना पड़ता है। जिस वह से हम हमारा पर्यावरण, पशु, पक्षी, खेत व मानव सभी प्रभावित होते हैं। इसी को मद्देनजर रखते हुए नाबार्ड के मुख्य वित्तीय सहयोग के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सोलर ट्रैप का आयात किया गया है। जिसको एक हेक्टेयर खेत में इंस्टॉल करने पर 95 प्रतिशत तक कीटों के प्रकोप से बचा जा सकता है और जब कीट नहीं लगेंगे। तब रोग भी लगभग 70 प्रतिशत तक कम होंगे।

इसको लगाने के बाद हमें अपने खेतों में कीटनाशकों का कवक नाशियों का प्रयोग भी बहुत ही निम्न मात्रा में अति आवश्यक होने पर करना पड़ेगा। इसका सीधा असर हमारे मित्र कीट, पर्यावरण व जीवों के साथ साथ किसान की आय में बढ़ोतरी पर पड़ेगा। इस परियोजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित यंत्र के अलावा अनेक अन्य एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन एवं देशी तकनीकी ज्ञान से जुड़े हुए यांत्रिक, जैविक गतिविधियों का समावेश क्षेत्र में किया जाएगा। यह जहर मुक्त खेती की तरफ बढ़ता हुआ एक प्रभावी कदम साबित होगा।

मुख्य अतिथि नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मयंक प्रताप सिंह ने किसानों को बताया कि यह भारत की एक अनूठी परियोजना के रूप में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसको शुरू किया गया है। जिसका नवोन्मेष विचार ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एवं कृषि ज्ञान केंद्र कटिया के वैज्ञानिकों के द्वारा नाबार्ड को दिया गया था। इस परियोजना में 70 प्रतिशत की भागीदारी नाबार्ड की एवं 30 प्रतिशत की भागीदारी ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड जो कि किसानों के लिए किसानों के द्वारा बनाई हुई। किसानों की अपनी कंपनी है के द्वारा की जा रही है। इस योजना पर हम सबकी बहुत ही बारीक नजर है एवं इसके सफल होने पर यह मॉडल कई जिलों में लागू करने का नाबार्ड का विचार है। बस किसानों से इतनी अपील है कि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में जो भी सुझाव उनको प्रेषित किए जाएं। उसको अपने खेत में जरूर अपनाएं। कार्यक्रम के अंत मे विकास सिंह तोमर के द्वारा आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में लक्ष्मीकांत, गुड्डी देवी, सावित्री देवी, अरुण, अनूप, शिवकुमार, अनुराग, अमित वर्मा सहित एफ पीओ के मुख्य कार्यकारी विजय कुमार वर्मा ने भी प्रतिभाग किया।

बालश्रम निषेध अधिकार विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया:-अवनीन्द्र कुमार

हरदोई।सचिवध्तहसीलदार, तहसील विधिक सेवा समिति सवायजपुर अवनीन्द्र कुमार ने बताया है कि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में माह जुलाई 2021 के अन्तर्गत 28 जुलाई 2021 को तहसील सभागार सवायजपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन नायब तहसीलदार पीयूष कुमार भार्गव की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें बालश्रम निषेध अधिनियम एवं प्रवासी मजदूरों के अधिकार विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित लोगो को बालश्रम निषेधा अधिनियम एवं प्रवासी मजदूरों के अधिकार विषय के बारे में विधिक जानकारी दी गयी। शिविर में पराविधिक स्वयं सेवक संघ के सदस्य संजीव कुमार (लीगल एड क्लीनिक) प्रशान्त कुमार सिंह, सत्यसिंह राजपूत, रंधीर, प्रमोद कुमार, गिरीश कुमार, रामप्रकाश, रामदास, अमित कुमार, अजयपाल सिंह तथा अंजली देवी ने शिविर में प्रतिभाग किया।

बच्चे के हत्यारों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा

सकरन (सीतापुर)। कोतवाली बिसवां के सांडा चौकी क्षेत्रान्तर्गत बीते दिवस एक गांव में 12 वर्षीय बच्चे की हत्या कर शव को छप्पर में लटका दिया था। जिसका पीएम होने के बाद हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रोड जाम कर प्रदर्शन भी किया था।

उक्त आरोपियों को बिसवां पुलिस ने गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के सांडा चौकी के अंतर्गत बिगत दिनों ग्राम पंचायत बोहरा के मजरे ठेकेपुरवा निवासी सूरज पुत्र कल्लू उम्र 12 वर्ष बीते दिवस गला दबाकर मारकर छप्पर के सांटे में लटका दिया गया था। सूरज के पिता कल्लू ने बीते दिवस तहरीर में गांव के ही निवासी राकेश पुत्र शंकर और राजू पुत्र दुलारे पर मारकर छप्पर के साटे में लटकाने की बात कही गई थी। कोतवाली प्रभारी बिसवां ओम प्रकाश तिवारी पीएम कराया गया। पीएम रिपोर्ट में सूरज को पहले गला दबाकर मारने फि र छप्पर के साटे में लटकाए जाने की पुष्टि हुई। पीएम रिपोर्ट के अनुसार बिसवां पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 359, 21 धारा 302 एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर देना और आरोपियों की तलाश जारी की। बृहस्पतिवार की शाम को सांडा चौकी प्रभारी रामचंद्र यादव को गुप्तचर से सूचना मिली कि आरोपी गोडियन पुरवा चौराहे पर होटल पर बैठे हुए हैं। आनन.फानन में सांडा चौकी प्रभारी हमराही बल के साथ गोडियन पुरवा चौराहे से दोनों आरोपियों को पकड़ कर बिसवां कोतवाली ले गए। जहां से दोनों आरोपियों को जेल रवाना किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक रामचंद्र यादव, हेड कांस्टेबल प्रहलाद, कांस्टेबल अजय पाल, कांस्टेबल प्रदीप यादव आदि शामिल रहे।

मास्क लगायें, कोविड अनुरूप व्यवहार अपनाएं

बिसवां नगर (सीतापुर)। कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है मास्क लगायें। कोविड अनुरूप व्यवहार अपनाएं इत्यादि यह बातें रोज ही सभी लोग अपने फोन पर जब भी किसी को काल करते हैं तो सुनाई पड़ती हैं। इसके अलावा कोविड के प्रति आमजनमानस में जागरूकता फैलाने के लिए सरकार प्रयासरत है। जगह जगह मास्क लगाने सम्बन्धी होर्डिंग बैनर लगे हैं। अभियान चलाये जा रहे हैं। तीसरी वेव के खतरे को भांप कर तैयारियां की जा रही हैं लेकिन सरकार के दिशा निर्देशों को ताक पर रखकर सत्ता पक्ष के लोग ही कोविड गाइडलाइन का मजाक बना रहे हैं। दरअसल कस्बा बिसवां स्थित नगर पालिका मैरिज हाल में भाजपा की ओर से प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन में क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह यादव, ब्लाक प्रमुख शांति यादव, पूर्व विधायक रामपाल यादव समेत अवधेश यादव प्रधान संघ के अध्यक्ष, रामेन्द्र यादव समेत अन्य भाजपा कार्यकर्त्ता व नेताओं का जमावड़ा लगा था। इनमें से किसी को भी दो गज की दूरी मास्क जरुरी स्लोगन की याद नहीं आई हर कोई कोरोना प्रोटोकॉल के साथ गाइडलाइन की धज्जियां उड़ाता नजर आया। तो क्या माना जाए कि राजनितिक कार्यक्रमों के आयोजनों में कोरोना का खतरा नहीं रहता या फिर ये माना जाए कि राजनितिक लोगों को कोविड से भय नहीं लगता। जिस समय सभी सभी तरह के कार्यक्रमों में सिर्फ 50 लोगों की ही अनुमति है। कांवड़ यात्रा स्थगित कर दी गयी बकरीद के पर्व पर सिर्फ 50 लोगों को इकट्ठे नमाज पढने की अनुमति दी गयी। शिवालयों में भीड़ रोकने के लिए पुलिस का पहरा लगा रहा। उसके ठीक सप्ताह बाद ही क्या कोरोना का खात्मा हो गया। जो इस तरह से भीड़ जुटाकर कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं यह अपने आप में एक सवाल है।

स्वागतम समूह की महिलाओं ने ठेकेदार के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देकर भुगतान की मांग की

हरदोई।उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्वागतम महिला सिलाई सेंटर की महिलाओं ने यूनिफॉर्म सिलाई का भुगतान न करने पर ठेकेदार के विरुद्ध पुलिस को एक प्रार्थना देकर भुगतान दिलाए जाने की मांग की है। सिलाई आदि में दक्ष महिलाओं को गांव स्तर पर ही रोजगार मिल सके, इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्राम विकास के माध्यम से ग्रामों में समूह गठित कर महिलाओं को रोजगार देने की व्यवस्था की थी लेकिन ठेकेदारों की मनमानी सरकारी मंशा पर पानी फेर रही है। कुछ इसी तरह का एक मामला शाहाबाद ब्लॉक कि अतर्जी गोपालपुर का प्रकाश में आया है जहां की स्वागतम समूह की महिलाओं को नितेंद्र कुमार बाजपेई ने यूनिफॉर्म सिलाई के लिए 1409,50 मीटर शर्टिंग व 681मीटर शूटिंग के लिए कपड़ा मुहैया कराया, जिस पर समूह की महिलाओं ने समय से सिलाई कर ठेकेदार को सारे कपड़े उपलब्ध करा दिये। कई माह बीत जाने के बाद भी अभी तक समूह की महिलाओं का ठेकेदार द्वारा भुगतान नहीं दिया गया जिससे आक्रोशित महिलाओं ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी समेत खंड विकास अधिकारी को अपनी समस्या से अवगत कराया लेकिन इसके बाद भी समस्या का निराकरण नहीं निकला। हार कर महिलाओं ने ठेकेदार के विरुद्ध एक प्रार्थना पत्र पाली पुलिस को सौंप कर भुगतान दिलाए जाने की मांग की है। इस संबंध में जब पाली के थाना अध्यक्ष बेनी माधव त्रिपाठी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि समूह की महिलाओं द्वारा एक प्रार्थना प्राप्त हुआ है जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन की प्रक्रिया के लिए दिशा निर्देश जारी:जिलाधिकारी

हरदोई।जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया है कि ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यालय के सफल संचालन के लिए पूर्व प्रयास सफलतापूर्वक क्रियान्वित नही हो पाये। इसका मुख्य कारण ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी के पास एक से अधिक ग्राम पंचायतें होने की वजह से प्रतिदिन नियमित रूप से ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर कार्यालय का संचालन नही कर सकते। ग्राम पंचायत में कार्यालय के सफल संचालन के लिए ग्राम सचिवालय की स्थापना एवं पंचायत सहायकध एकाउन्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन की प्रक्रिया हेतु मार्ग निर्देश जारी किये गये है। इसके लिए सभी ग्राम पंचायतो को इण्टरनेट से जोड़ने हेतु योजना संचालित है, कॉमन सर्विस सेन्टर पंचायत कार्यालय में संचालित हो इसके लिए निर्देश भी पूर्व से ही निर्गत है। शासन द्वारा बीसी सखी के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में लोगो को बैकिंग सुविधा उपलब्धा हो इसके लिए कार्य किया जा रहा हैं। उन्होने बताया है कि ग्राम पंचायत सचिवालय में जनसेवा केन्द्र की स्थापना हेतु आवश्यकतानुसार जगह उपलब्धा करायी जायेगी। ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाली बैठकों का क्रियान्वयन ग्राम सचिवालय में ही किया जायेगा। बीसी सखी के लिए भी ग्राम सचिवालय में जगह उपलब्ध करायी जायेगी। ग्राम सचिवालय के सफल क्रियान्वयन के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक कर्मी कार्यालय के दिन प्रतिदिन संचालन के लिए तैनात हो। इस क्रम में पंचायत सहायकध्एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर की तैनाती आवश्यक है। पंचायत सहायकध्एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन की प्रक्रिया के लिए दिशा निर्देश जारी किये गये हैं जिसमें जनपद हरदोई में कुल 1306 ग्राम पंचायते है, जिसमें पंचायत सहायकध्एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु शासनादेश जारी किया गया है जिसके अनुसार 30 जुलाई 2021 से 01 अगस्त 2021 तक ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायकध एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के लिए आवेदन पत्र आंमत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना हैं।

कोरोना की तीसरी लहर के दृष्टिगत आक्सीजन प्लांट का निर्माण कराया गया: विधायक रजनी

हरदोई।तहसील शाहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर निर्मित आक्सीजन प्लाट का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में विधायक शाहाबाद रजनी तिवारी ने फीता काटकर एवं शिलापट की डोरी खींच कर किया। इस के उपरान्त विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्षधजिला प्रभारी भाजपा श्री प्रकाश पाल ने संयुक्त रूप से सीएचसी परिसर में वृक्षा रोपण किया। इस अवसर पर विधायक ने उपस्थित क्षेत्रवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार के निर्देश एवं कोरोना महामारी की तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए आक्सीजन प्लाट का निर्माण कराया गया है।

उन्होने कहा कि अगर किसी कारण कोरोना की तीसरी लहर आती तो क्षेत्रवासियों को आक्सीजन के लिए जनपद मुख्यालय या अन्य जनपद में नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें आक्सीजन आदि की सुविधा इसी स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध कराई जायेगी। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि विधायक जी के मार्ग निर्देशन में उनकी विधायक निधि से रू0–43 लाख 38 हजार की लागत से इस आक्सीजन प्लाट का निर्माण मानक के अनुरूप गुणवत्ता परक कराया गया है। इस बताया कि स्वास्थ्य केन्द्र के 30 बेड पर पाइप लाइन के माध्यम से आक्सीन सप्लाई की व्यवस्था की गयी है और आक्सीजन प्लाट में 167 लीटर पर मिनट आक्सीजन गैस बनाने की क्षमता है। इसके उपरान्त स्वास्थ्य केन्द्र के वार्डो में मा0 विधायक को ले जाकर जिलाधिकारी ने आक्सीजन प्लाट से पाइंट के माध्यम से बेड तक सप्लाई होने वाली आक्सीजन बारे में विस्तार से जानकारी दी। आक्सीजन प्लाट शुभारम्भ अवसर पर एमओआई प्रवीण दीक्षित ने विधायक, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी का धयन्वाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शाहाबाद सौरभ दूबे, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्वामी दयाल, सहायक अभियंता डीआरडीए राजेश कुमार सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम तथा शाहाबाद क्षेत्र के भाजपा एवं व्यापार मण्डल के पदाधिकारी सहित पत्रकार बन्धु व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं0– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

ग्राम हैबतपुर के पंचायत घर मे विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया

हरदोई।सचिव/तहसीलदार, तहसील विधिक सेवा समिति बिलग्राम ने बताया है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान मे माह जुलाई 2021 मे 29 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे ग्राम हैबतपुर परगना व तहसील बिलग्राम के पंचायत घर मे विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन सचिवध्तहसीलदार राजू यादव की अध्यक्षता मे किया गया, जिसमे ग्राम वासियों को कोविड–19 से आम जनमानस के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर विधिक जानकारी दी गयी, तथा शिविर मे परा विधिक स्वयं संघ के सदस्य गण लीगल एड क्लीनिक प्रदीप कुमार, आशीष तिवारी, श्रीमती रूबी देवी, अजय कुमार, प्रेमचन्द्र, गोविन्द प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, शिशुपाल सिंह, सोनपाल सिंह, शिवप्रताप, प्रमोद कुमार, रईश पाल, आनंन्द कुमार, जेवा खां, जुलैखा खातून, मोनिका वर्मा, समर सिंह उमेश दोहरे, राजस्व निरीक्षक बिलग्राम, क्षेत्रीय लेखपाल तथा ग्राम प्रधान संजीव कुमार आदि उपस्थित रहे।

क्षमता से अधिक सवारियां भरकर सड़कों पर फर्राटा भरते ई रिक्शा

हरदोई। यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए ई–रिक्शा संचालक बेखौफ होकर क्षमता से अधिक सवारियां भर, रूपापुर पाली रोड पर फर्राटा भरते हैं जिसे कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं इसके बाद भी जिम्मेदार चौट नही रहे हैं। पाली कस्बे का रामलीला चौराहा हो या फिर रूपापुर चौराहा इन दोनों जगहों पर चौराहे के समीप दर्जनों की संख्या में खड़े ई रिक्शा के झुंड सवारियां उतारते व चढ़ाते नजर आएंगे,जिसकी वजह से चौराहों पर आए दिन जाम के झमेले में फंस कर आम जनमानस को भारी परेशानियां उठानी पड़ रही हैं और पिकेट ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी मूकदर्शक बनकर बैठे रहते हैं जबकि ट्रैफिक नियमों के अनुसार चौराहे तिराहो से 70 मीटर की दूरी पर सवारियां भर सकते हैं और उतार सकते हैं ताकि लोगों को कोई असुविधा ना हो कुछ को छोड़ दें तो अधिकतर ई–रिक्शा संचालकों के पास ड्राइवरी लाइसेंस की तो बात छोड़िए, रजिस्ट्रेशन तक मौजूद नहीं है। ऊपर से क्षमता से अधिक सवारियां भरकर फर्राटे भरते ई–रिक्शा जिम्मेदारों की जिम्मेदारी पर सवालिया निशान खड़े कर रहे हैं। इस संबंध में जब थाना अध्यक्ष बेनी माधव त्रिपाठी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक सवारियां भरकर चलने वाले सभी वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यामी गौतम–प्रतीक गांधी को लेकर बनेगी रात बाकी

निर्देशक आदित्य धर, यामी गौतम और प्रतीक गांधी को साथ में लेकर जल्द ही एक फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। फिल्म का टाइटल है श्रात बाकीच। आदित्य धर साल 2016 से यह फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। पहले इस फिल्म में वह कैटरीना कैफ और फवाद खान को कास्ट करने वाले थे, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते यह लव स्टोरी ड्रामा को बंद कर दिया गया। अब आदित्य धर ने इस फिल्म को एक बार फिर से शुरू करने की योजना बनाई है। अब वह इस फिल्म में यामी गौतम और प्रतीक गांधी को कास्ट करने वाले हैं।

फिल्म की स्टोरी आदित्य धर के बेहद करीब है। आदित्य इस फिल्म का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला के साथ करने जा रहे हैं। लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि आदित्य इस फिल्म का निर्देशन नहीं करेंगे। क्योंकि फिलहाल वह अपनी अगली फिल्म श्अश्वत्थामाच्य पर काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म की जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

शादी के बाद श्रात बाकीच पहली ऐसी फिल्म होगी, जिसमें यामी और आदित्य साथ में काम करेंगे। इससे पहले यामी और आदित्य ने फिल्म श्उरीरू द सर्जिकलच्य स्ट्राइक में साथ काम किया था। 4 जून को यामी और आदित्य शादी के बंधन में बंधे थे।

गौरतलब है कि यामी की कई फिल्में कतार में है। यामी, अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म श्दसवींच्य में नजर आएंगी। इस फिल्म में यामी सिपाही ज्योती देसवाल की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा वह सैफ अली खान और अर्जुन कपूर के साथ फिल्म श्भूत पुलिस्च्य में भी नजर आएंगी।

ऐलेना का किरदार मेरे दिल के बेहद करीब: प्रेरणा पनवर

दर्शकों के साथ एक मजबूत भावनात्मक रिश्ता जारी रखते हुए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के कुछ रंग प्यार के ऐसे भी रू नई कहानी का नया सीजन एक बार फिर दर्शकों के दिलों में बस गया है। कई चौंकाने वाले मोड़ के साथ–साथ सोनाक्षी (एरिका फर्नांडिस) और देव (शाहीर शेख) की जिंदगी में आने वाली चुनौतियां के साथ, यह शो दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहा है। जहां इस शो में पुराने कलाकार ही नजर आ रहे हैं, वहीं इस शो के प्रमुख किरदारों में से एक, प्रेरणा पनवर यानी ऐलेना बोस त्रिपाठी ने इस शो की तीसरी फ्रेंचाइजी में वापसी करने पर अपना उत्साह जाहिर किया और खुलकर अपना अनुभव बताया। प्रेरणा पनवर कहती हैं, जब मुझे पता चला कि इस शो के मेकर्स कुछ रंग प्यार के ऐसे भी रू नई कहानी के साथ वापसी कर रहे हैं, तो मुझे लगा जैसे मेरा कोई सपना सच हो गया हो। मेरे उत्साह का कोई ठिकाना नहीं था, क्योंकि इसके पूरे कलाकार मेरे लिए एक परिवार की तरह हैं। इतने प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करना हमेशा एक शानदार अनुभव रहा है। यह शो मेरे करियर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है और मैं अपने किरदार ऐलेना और इस शो के लिए हमेशा आभारी रहूंगी। मैंने हमेशा इस शो से पर्दे पर और पर्दे के पीछे बहुत कुछ सीखा है। अपने किरदारों के बारे में और बताते हुए उन्होंने कहा, ऐलेना का किरदार मेरे दिल के बेहद करीब है और मैं इससे कई तरह से जुड़ती हूं। वो काफी बातूनी, उत्साही और जिंदादिल लड़की है और मैं अपनी असल जिंदगी में भी ऐसी ही हूं। यही एक प्रमुख वजह है, जिसके चलते मैं अपने रोल को एंजॉय करती हूं। भले ही मैं इस सीजन में एक मां का रोल निभा रही हूं, लेकिन यह मेरे लिए सीखने लायक अनुभव है। मेरा किरदार विकसित हुआ है और इसके साथ मैं भी आगे बढ़ रही हूं। इसलिए यह किरदार हमेशा मेरे लिए स्पेशल रहेगा।

अल्कोहल को इसमें मिलाकर पीने से होते है ये साइड़ इफेक्ट्स

अक्सर लोग अल्कोहल को पीते समय या तो उसमे पानी मिलाते है या फिर सोडा या कोल्ड ड्रिंक्स। लेकिन क्या आप जानते है की अल्कोहल को एनर्जी ड्रिंक्स के साथ मिक्स नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे इन्जरीज होने का खतरा बड़ जाता

है। ज्यादातर लोग रेड बुल और वोडका का कॉम्बिनेशन पसंद करते हैं, लेकिन रिसर्च की मानें तो यह नुकसानदायक है और यह पीने से आप गिर भी सकते हैं, कार दुर्घटना भी हो सकती है या फिर आप अचानक से लड़ाई–झगड़ा शुरू कर सकते हैं। कई जगहों पर यह कॉम्बो पहले से ही मिक्स होकर मिलता है, जिसे आपको अवॉइड करना चाहिए।

कनाडा के एक रिसर्च सेंटर पर एक टीम ने कम–से–कम 13 स्टडीज पर गौर फरमाया, जिनमें यह बात सामने आई कि अल्कोहल और ड्रिंक्स को मिक्स करना सेहत के लिए हानिकारक है। ये स्टडीज 1981 से 2016 में पब्लिश हुई हैं। दरअसल, जब आप सिर्फ अल्कोहल लेते हैं, तो आप थक जाते हैं और घर चले जाते हैं। लेकिन जब दोनों मिक्स करते हैं, तो थकान जल्दी नहीं होती और आप ज्यादा से ज्यादा अल्कोहल पी लेते हैं। ऐसे में यह आपके लिए खतरनाक हो जाता है और दुर्घटना के चांस भी बड़ा देता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों को मिक्स करने के गंभीर प्रभाव हो सकते हैं, जैसे–बहुत ज्यादा हैंगओवर, सिरदर्द, दस्त, उल्टी, हार्ट रेट का बढना, थकान, मांसपेशियों की ऐंठन, नींद की समस्या, दिल से जुड़ी दिक्कत आदि।

डायबिटीज के मरीजों को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि वो अल्कोहल और एनर्जी ड्रिंक्स को मिक्स न करें, क्योंकि इससे उनका शुगर लेवल बड़ सकता है और यह काफी खतरनाक साबित हो सकता है। सिर्फ यही नहीं, जिन लोगों के पेट में अल्सर हो, उन्हें भी इस कॉम्बिनेशन से दूर रहना चाहिए। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी इन्टर्नल ब्लीडिंग करवा सकती है।

कृति सेनन ने पिंक आउटफिट में बिखेरे हुस्न के जलवे

एक्ट्रेस कृति सेनन ने सुशांत सिंह राजपूत के साथ राब्ता फिल्म से करियर की शुरुआत की थी. इस फिल्म के बाद से एक्ट्रेस ने फिर कभी करियर में पलटकर नहीं देखा है. कृति फैंस के बीच आए दिन अपने स्टाइल से आग लगाती रहती हैं एक्ट्रेस इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मिमी को लेकर सुर्खियों में हैं. फिल्म में कृति एक खास रोल में दिखाई देने वाली हैं. ऐसे में फिल्म के रिलीज होने से पहले कृति ने फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस अदाओं का जादू चलाया है. हाल ही में एक्ट्रेस ने पिंक आउटफिट में कुछ खास फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, इन पिक्स में एक्ट्रेस की अदाएं काबिले तारीफ हैं फोटोज में एक्ट्रेस का हुस्न का जलवा देखकर फैंस उनके दीवाने हो रहे हैं. फैंस को कृति की ये पिक्स काफी पसदं आ रही हैं. फैंस एक्ट्रेस की फोटोज पर जमकर कमेंट कर रहे हैं. कृति सेनन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. एक्ट्रेस आए दिन अपनी खास फोटोज फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं. कृति सेनन जल्द ही फिल्म मिमि में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म में कृति सरोगेट मदर का किरदार निभा रही हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. ये किरदार कृति के लिए काफी खास है क्योंकि ऐसा उन्होंने पहले कभी नहीं किया और साथ ही इसके लिए उन्होंने खूब मेहनत की है. प्रेग्नेंट महिला का किरदार निभाने के लिए कृति ने 15 किलो ग्राम वजन बढ़ाया था. एक एक्ट्रेस के लिए ये बहुत बड़ी बात है. कृति को फिल्म के डायरेक्टर ने ऐसा करने को कहा था. अब कृति के इस ट्रांसफॉर्मेशन का वीडियो सामने आया है कि कैसे वजन बढ़ाने के लिए वह सेट पर हमेशा खाती रहती थीं. अपने किरदार को लेकर कृति ने कहा था, श्मैंने एक यंग लड़की का किरदार निभाया है जो बॉलीवुड एक्ट्रेस बनना चाहती हैं. मिमि के अपने कुछ सपने हैं और उन्हें पूरा करने के लिए वह सरोगेट मदर बनने के लिए तैयार हो जाती हैं. फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत ही खूबसूरत है और फिल्म के पहले हाफ नरेशन को ही सुनकर मैंने फिल्म को करने के लिए हां कह दिया था:च्य फिल्म में काम करने के एक्सपीरियंस पर कृति ने कहा, श्इस किरदार की वजह से मुझे कुछ नया एक्सपीरियंस मिला, एक एक्ट्रेस होने के नाते कई दिलचस्प फीलिंग्स का एहसास हुआ जो मैंने अपनी रियल लाइफ में कभी महसूस नहीं किया. मैं इसके लिए लक्ष्मण सर की बहुत आभारी हूं:च्य लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कृति के अलावा पंकज त्रिपाठी, साईं ताम्हनकर, सुप्रिया पाठक और मनोज पाहवा अहम भूमिका निभा रहे हैं.

शर्लिन चोपड़ा से बोले थे राज कुंद्रा– शर्म छोड़ो और हॉलीवुड की मॉडल की तरह खुल कर दिखाओ

शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेममैन राज कुंद्रा को अश्लील फिल्म निर्माण मामले में कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कुंद्रा ने कोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगायी थी जिसे भी कोर्ट ने खारिज कर दिया है। भारत में पोर्नोग्राफी गैर कानूनी है लेकिन राजकुंद्रा पर आरोप है कि उन्होंने गैर कानूनी तरीके से भारत में पॉर्न फिल्मों का निर्माण किया और उन्हें हॉटशॉट्स ऐप के माध्यम से स्ट्रीम करके यूजर तक पहुंचाया। राजकुंद्रा इस समय जेल में है लेकिन पोर्नोग्राफी के इस गैर कानूनी रैकिट की पोल कैसे खुली? बॉलीवुड की एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ने ये दावा किया था कि उन्होंने फरवरी 2021 में इस संबंध में मुंबई पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवायी थी। शर्लिन ने कहा कि वह इस मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल की जांच टीम को बयान देने वाली पहली शख्स थीं। शर्लिन ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह हिंदी में कहती हैं– "पिछले कुछ दिनों से कई पत्रकार और मीडियाकर्मी मुझे फोन कर रहे हैं, मुझे ईमेल कर रहे हैं और मुझे यह जानने के लिए मैसेज कर रहे हैं कि इस विषय पर मेरा क्या कहना है। मैं आप सभी को सूचित करना चाहती हूं कि महाराष्ट्र साइबर सेल की जांच टीम को अपना बयान देने वाला मैं पहली व्यक्ति थी। मैं उनके साथ आर्म्सप्राइम के बारे में जानकारी साझा करने वाला पहली व्यक्ति भी थी।ष अब शर्लिन चोपड़ा के ताजा बयान के अनुसार उन्होंने राज कुंद्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आजतक पर छपी खबर के अनुसार शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा पर यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि कुंद्रा ने उन्हें जबरदस्ती बाथरूम में खींच लिया था और किस करने की कोशिश की थी। शर्लिन ने कहा कि मुझे कुंद्रा की ये एप्रोज बिलकुल पसंद नहीं आयी थी और मैंने इसका विरोध भी किया था। इंडिया टूडे के अनुसार मार्च 2021 में मुंबई पुलिस के साइबर सेल को दिए अपने बयान में शर्लिन चोपड़ा ने कहा था कि पोर्न फिल्म रैकेट के आरोपी राज कुंद्रा ने अनुरोध किया था कि वह उनके हॉटशॉट्स ऐप के लिए सामग्री बनाएं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। शर्लिन चोपड़ा ने पुलिस को बताया कि मार्च 2019 में कुंद्रा ने ष्द शर्लिन चोपड़ा ऐपष के विचार के साथ उनके बिजनेस मैनेजर से संपर्क किया था, यह कहते हुए कि वह जो सामग्री सोशल मीडिया पर अपलोड करती है वह मुफ्त है लेकिन वह एक अनुकूलित ऐप के माध्यम से इसका मुद्रीकरण कर सकती है। मार्च 2019 में, शर्लिन चोपड़ा ने आर्मप्राइम के साथ एक समझौता किया था, जिसके संस्थापक राज कुंद्रा थे। उन्होंने अपने बयान में कहा कि उन्होंने आर्म्सप्राइम के साथ समझौते को नवीनीकृत नहीं किया क्योंकि वह मौजूदा 50–50 राजस्व साझाकरण मॉडल के साथ सहज नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैंने कुंद्रा से समझौते की समाप्ति पर ऐप पर मौजूद सामग्री को हटाने के लिए कहा था लेकिन सामग्री अभी भी इंटरनेट पर उपलब्ध है। अनुबंध की अवधि के दौरान, शर्लिन चोपड़ा ने ऐप के लिए कुछ वीडियो शूट किए थे। श्चॉकलेट वीडियोश शीर्षक वाले वीडियो में से एक वीडियो जांच के लिए रुचिकर था और साइबर पुलिस ने इसके बारे में पूछताछ की। अभिनेता ने यह भी कहा कि उस समय आर्म्सप्राइम के क्रिएटिव हेड (नाम रोक दिया गया) के साथ उनकी तीखी बहस हुई थी। चॉकलेट वीडियो अंधेरी (पूर्व) के एक होटल में शूट किया गया था। वीडियो शूट के बारे में बोलते हुए, चोपड़ा ने कहा, ष्उसने (रचनात्मक प्रमुख) ने सुझाव दिया कि मैं अपने अपनी शर्म को छोड़ दूं और हॉलीवुड मॉडल की तरह खुल जाऊं।ष शर्लिन चोपड़ा ने कहा कि कई मौकों पर उनकी रचनात्मक प्रमुख के साथ सामग्री निर्माण और उसी के निष्पादन की अवधारणा को लेकर तीखी बहस हुई। उन्होंने अपने बयान में कहा कि आर्म्सप्राइम और राज कुंद्रा के साथ अपने जुड़ाव के 12 महीनों के दौरान, उसे किसी भी कानूनी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और इसलिए वह इस ध्ाारणा के तहत थी कि इस प्रकृति की सामग्री को प्रदर्शित करना कानूनी दृष्टि से समस्याग्रस्त नहीं था। चोपड़ा का बयान 2020 में ओटीटी प्लेटफार्मों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में कथित रूप से यौन रूप से स्पष्ट और अश्लील सामग्री को ऑनलाइन प्रसारित करने के लिए दर्ज किया गया था। जब एक बाइट के लिए संपर्क किया गया, तो अभिनेता ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से परहेज किया क्योंकि मामला विचाराधीन है। चोपड़ा को 2020 में आर्म्सप्राइम के खिलाफ मुंबई पुलिस के साइबर सेल द्वारा दर्ज प्राथमिकी में एक आरोपी के रूप में पेश किया गया है। 26 जुलाई, 2021 को पोर्न फिल्म रैकेट मामले में एक बयान दर्ज करने के लिए उन्हें अपराध शाखा द्वारा बुलाया गया था, जिसके बाद उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया, अपनी याचिका में कहा कि उन्हें सह–आरोपी राज कुंद्रा की तरह गिरफ्तारी का डर है। अदालत ने बुधवार, 28 जुलाई को गिरफ्तारी के खिलाफ उसे अंतरिम सुरक्षा प्रदान की।

कैमरे के लेंस की सफाई के लिए अपनाएं ये टिप्स, आसानी से होगा साफ

कई लोग शौक–शौक में कैमरा खरीद तो लेते हैं, लेकिन उसके लेंस की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। इसके कारण कुछ दिनों बाद ही कैमरा खराब होने लगता है और लेंस के अंदर मिट्टी की एक परत जम जाती है। ऐसे में कैमरे के लेंस की सफाई करना बहुत जरूरी हो जाता है। आइए आज आपको कुछ ऐसे टिप्स देते हैं जिन्हें अपनाकर आप आसानी से कैमरे के लेंस की सफाई कर सकते हैं।

ब्लोअर का करें इस्तेमालः कई लोग कैमरे के लेंस को साफ करने के लिए उंगलियों का इस्तेमाल करते हैं जिसकी वजह से न सिर्फ लेंस अच्छे से साफ नहीं होता बल्कि इस पर खरोंच भी आ जाती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप लेंस की सफाई के लिए उंगलियों की बजाय ब्लोअर का इस्तेमाल करें। ब्लोअर से लेंस की बेहतरीन तरीके से सफाई भी हो जाती है और लेंस पर कोई खरोंच लगने का डर भी नहीं रहता है। लेंस क्लीनर लिक्विड आएगा कामः अक्सर यह देखने में आता है कि लोग एक गीले कपड़े से कैमरे के लेंस की सफाई करने लगते हैं, लेकिन ऐसा करना मतलब लेंस को नुकसान पहुंचाना है। इसके लिए लेंस क्लीनर का इस्तेमाल सबसे बेहतरीन उपाय है क्योंकि इसके इस्तेमाल में लेंस पर चिपकी धूल–मिट्टी और अन्य गंदगी आसानी से निकल जाती है। आप चाहें तो इस लिक्विड की मदद से अपने कैमरे के अन्य हिस्सों की भी सफाई कर सकते हैं। कॉटन बड्स से होगी मुश्किल जगहों की सफाईः कैमरे के लेंस को बारीकी से साफ करने के लिए कॉटन बड्स का इस्तेमाल करना बेहतरीन है। इसके लिए सबसे पहले लेंस क्लीनर लिक्विड में कॉटन बड्स भिगोकर इनसे लेंस और लेंस के अंदर सफाई कर लें। इसके बाद फिर से एक अन्य कॉटन बड्स की मदद से एक बार और सफाई कर लें। इससे कैमरे का लेंस अच्छे से साफ हो जाएगा और आपकी फोटो भी काफी साफ आएगी।

सावधानियांः इन बातों का रखें खास ध्यानः जब भी आप कैमरे का लेंस साफ करें तो उस पर जमी धूल–मिट्टी को साफ करने के लिए फूंक न मारें क्योंकि फूंक के साथ निकली लार लेंस को नुकसान पहुंचा सकती है। लेंस की सफाई के दौरान अपने पास हमेशा लेंस क्लीनिंग लिक्विड, क्लीनिंग ब्रश और क्लीनिंग टिश्यू जरूर रखें। लेंस की सफाई करते समय हाथों में ग्लव्स जरूर पहनें। इसके अलावा लेंस को बैग में माइक्रोफाइबर कपड़े से साफ करने के बाद ही रखें।